मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, गुरुवार, 6 अगस्त 2026

संवत 2083, श्रावण कृष्ण 8 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 323 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ पप्पू यादव का विवादों भरा राजनीतिक सफर

साई पल्लवी की सादगी की मुरीद हैं निहारिका एनएम ◂◂ 6

लातेहार में एसीबी की बड़ी कार्रवाई, 10 हजार रुपये रिश्वत लेते पंचायत सचिव रंगे हाथ गिरफ्तार

संवाददाता

लातेहार: जिले के मनिका प्रखंड में भ्रष्टाचार के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बड़काडीह पंचायत के पंचायत सचिव नागेश्वर रजक को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद प्रखंड कार्यालय परिसर में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, पंचायत सचिव पर एक सरकारी योजना के भुगतान और प्रशासनिक स्वीकृति के बदले रिश्वत मांगने का आरोप था। शिकायतकर्ता का आरोप था कि कई बार अनुरोध करने के बावजूद पंचायत सचिव बिना रिश्वत लिए काम करने को तैयार नहीं थे। इससे परेशान होकर उसने पलामू प्रमंडल एसीबी कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत सही मिलने पर बिछाया गया जाल : शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने पूरे मामले का गुप्त सत्यापन कराया। जांच में रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद अधिकारियों ने विशेष टीम का गठन कर ट्रैप की योजना बनाई।

गुरुवार को पूर्व निर्धारित योजना के तहत शिकायतकर्ता ने मनिका प्रखंड कार्यालय परिसर में पंचायत सचिव नागेश्वर रजक को 10 हजार रुपये की रिश्वत दी। जैसे ही आरोपी ने रुपये लिए, पहले से घात लगाए एसीबी अधिकारियों ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया।

गिरफ्तारी के बाद मचा हड़कंप : प्रखंड कार्यालय के भीतर हुई इस कार्रवाई के बाद पूरे परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। एसीबी की टीम ने मौके पर आवश्यक कानूनी और कागजी कार्रवाई पूरी की। इसके बाद गिरफ्तार पंचायत सचिव को अपने साथ मेदिनीनगर स्थित एसीबी थाना ले जाया गया, जहां आगे की पूछताछ और कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जाएगा।

चोर को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस टीम पर हमला

धनबाद : जिले के भूली ओपी क्षेत्र में गश्ती के दौरान एक चोर को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस टीम पर हमला कर दिया गया। इस घटना में भूली ओपी में पदस्थापित सब-इंस्पेक्टर (एसआइ) हरिप्रकाश मिश्रा घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है। घायल एसआइ हरिप्रकाश मिश्रा ने बताया कि वह नियमित गश्ती पर निकले थे. इसी दौरान एक संदिग्ध चोर को पकड़कर भूली ओपी लाया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपित ने अपने अन्य साथियों की जानकारी दी। इसके आधार पर पुलिस टीम उसके निशानदेही पर अन्य आरोपितों को पकड़ने के लिए रवाना हुई. उन्होंने बताया कि जैसे ही पुलिस टीम बताए गए स्थान पर पहुंची, पहले से घात लगाए बैठे चोरों के गिरोह ने उन्हें चारों ओर से घेर लिया. आरोपितों ने पुलिस टीम के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट शुरू कर दी।

झारखंड विधानसभा में लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं का मुद्दा गरमाया

विपक्ष ने केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच की मांग उठाई

संवाददाता

रांची: झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र में झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं का मुद्दा जोरदार तरीके से उठने की संभावना है। विपक्षी गठबंधन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने इस मामले को लेकर हेमंत सरकार को घेरने की रणनीति बनाई है। गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी और आजसू के विधायकों ने विधानसभा परिसर के बाहर पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया और झारखंड लोक सेवा आयोग तथा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की मांग की।

आजसू के एकमात्र मांडु विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो एक अनोखे पोस्टर के साथ प्रदर्शन में शामिल हुए। पोस्टर में विभिन्न पदों की कथित कीमतें लिखी गई थीं। इसमें पुलिस उपाधीक्षक का पद 1.20 करोड़ रुपये, वन क्षेत्र पदाधिकारी का पद 80 लाख रुपये, प्रखंड विकास पदाधिकारी का पद 90 लाख रुपये और अंचल अधिकारी का पद एक करोड़ रुपये बताया गया था। इसके अलावा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के विभिन्न पदों की भी अलग-अलग कथित कीमतें दर्ज थीं। विधायक ने झारखंड लोक सेवा आयोग और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग को नौकरी बिक्री केंद्र बताया।

केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच की मांग पर एकजुट हुआ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन

प्रतिपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने सामाजिक माध्यम पर एक संदेश साझा करते हुए कहा कि झारखंड के छात्रों को न्याय दिलाने और झारखंड लोक सेवा आयोग तथा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षाओं में कथित सीट बेचने के आरोपों की निष्पक्ष केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस मांग को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सभी विधायक एकजुट हैं। मरांडी ने कहा कि जब तक राज्य सरकार इस मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच कराने की अनुशंसा नहीं करती, तब तक छात्रों के अधिकार और न्याय की लड़ाई सदन से लेकर सड़क तक जारी रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है और इस मामले में सरकार जवाब देने से बच नहीं सकती।

इस दौरान बाबूलाल मरांडी ने वर्ष 2024 के शीतकालीन विधानसभा सत्र का एक वीडियो भी साझा किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की संयुक्त स्नातक स्तरीय परीक्षा में कथित नौकरी बेचने के आरोपों का लगातार विरोध किया है और वर्ष 2024 में भी केंद्रीय जांच ब्यूरो से जांच की मांग उठाई थी। अब विधानसभा के मौजूदा सत्र में भी विपक्ष इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाकर सरकार से जवाब मांगेगा। हालांकि, इस मामले पर राज्य सरकार की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

झारखंड विधानसभा का मानसून सत्र आज से शुरू

महान हस्तियों के निधन पर सीएम ने जताया शोक

रांची : झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र में आज सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू हुई. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत अन्य विधायक सदन में उपस्थित हुए. सबसे पहले स्पीकर रवीन्द्रनाथ महतो ने सदन को संबोधित किया. उन्होंने उम्मीद जताई कि सत्र लोकतांत्रिक गरिमा के अनुरूप चलेगा. साथ ही सदन में मिले अवसर का उपयोग गरिमा के साथ होगा. उन्होंने कहा पक्ष-विपक्ष में मतभेद हो, लेकिन जनहित सबसे ऊपर होना चाहिए. राज्य की जनता ने विश्वास के साथ हमें यहां भेजा है।

संसदीय कार्य मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने सदन में एटीआर (एक्शन टेकन रिपोर्ट) पेश की. साथ ही पिछले सत्र में पारित विधेयकों को राज्यपाल से मिली स्वीकृति के बाद इसकी विवरणी पटल पर रखी गई।

बीते सत्र से लेकर आज तक दिवंगत हुए राजनेताओं और महान हस्तियों के निधन पर सदन में शोक जताया गया. इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी समेत अन्य ने आशा भोंसले,मन्नान मल्लिक, माधवलाल बशीर बद्र सहित अन्य के निधन पर शोक जताया।

समाचार सार

उपायुक्त ने जिला पशुपालन कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

चतरा : उपायुक्त रवि आनंद ने बुधवार को जिला पशुपालन कार्यालय का औचक निरीक्षण कर कार्यालयीन व्यवस्था, संचालित योजनाओं एवं अभिलेखों की गहन समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, कर्मियों की समय पर उपस्थिति एवं कार्यालयीन कार्यप्रणाली का जायजा लिया। साथ ही उपस्थिति पंजी का अवलोकन कर कार्यालय में कार्यरत पदाधिकारियों एवं कर्मियों की उपस्थिति की जांच की।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने एक-एक कर सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अपने समक्ष बुलाकर उनके कार्यदायित्वों की जानकारी ली तथा विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने अभिलेखों का अवलोकन करते हुए अपूर्ण योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया।समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने सभी संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि पात्र लाभुकों तक योजनाओं का लाभ निर्धारित समय पर पहुँचना चाहिए।उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की लंबित एवं स्वीकृत योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्राप्त योजनाओं का समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने योजनाओं के नियमित अनुश्रवण, अभिलेखों के अद्यतन संधारण तथा कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं अनुशासन बनाए रखने पर विशेष बल दिया।निरीक्षण के दौरान जिला योजना पदाधिकारी शिशिर पंडित,जिला पशुपालन कार्यालय के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

रांची सिटीजन फोरम और हमर अधिकार मंच ने आंदोलनरत छात्रों को दिया अपना नैतिक समर्थन

रांची : पिछले 12 दिनों से लगातार मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में हुई कथित अनियमितता की जांच और कार्रवाई की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे छात्रों से रांची सिटीजन फोरम, हमर अधिकार मंच, श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट और अखिल भारतीय संत समिति के सदस्यों ने मुलाकात की और उनका हाल-चाल लिया तथा उनके इन मांगो और अनशन को अपना नैतिक समर्थन दिया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यह पढ़े-लिखे छात्रों का आंदोलन है और वह अपनी पूर्व में हुए 14वीं जेपीएससी की प्रारंभिक (पीटी) परीक्षा को रद्द करते हुए अन्य मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से अनुशासन के साथ सत्याग्रह कर रहे हैं, जिसका समर्थन करते हैं। अध्यक्ष दीपेश निराला ने बताया कि उक्त परीक्षा एजेंसियों के विभिन्न मामले झारखंड उच्च न्यायालय में लंबित रहे हैं और कई मामले पूर्व में देखने को मिले हैं, यदि परीक्षाओं में गड़बड़ी नहीं है तो फिर इन सब दर्जनों मामलों पर बार-बार क्यों सवाल उठ रहे हैं, छात्रों के समर्थन में तुरंत इसकी उच्च स्तरीय स्वतंत्र न्यायिक जांच और सीबीआई जांच करवानी चाहिए, ताकि दूध का दूध एवं पानी का पानी स्पष्ट हो सके और यह आंदोलनकारी छात्र झारखंड के ही बच्चे हैं, जो झारखंड का भविष्य हैं, जो आने वाले समय में व्यवस्था में विभिन्न विभागों के तहत अपनी सेवा देंगे, इसलिए सरकार को चाहिए कि इनसे वार्ता करके इनके मांगों को स्पष्ट रूप से स्वीकारते हुए इस आमरण अनशन को समाप्त कराए। प्रतिनिधि मंडल में दीपेश निराला, उमाशंकर सिंह, रेणुका तिवारी, स्वामी दिव्यानंद, दीनबंधु कुमार, सुजीत कुमार पांडेय, मनीष बक्शी, संजय सर्राफ, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, कुमार अभिषेक दुबे, आशीष कुमार जायसवाल, शेखर कुमार, वंदना झा, डॉ. पार्थ तिवारी, इत्यादि सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड राज्य किसान सभा ने सौंपा ज्ञापन

मुरी : 8 हजार 5 सौ एकड़ सिंचाई क्षेत्र वाला कोकरो नहर में 5 अगस्त तक पानी नहीं छोड़ना किसानों के साथ धोखा - सुफल महतो

5 अगस्त 2026 को झारखंड राज्य किसान सभा के तत्वावधान में राहे प्रखंड स्थित कोकरो नहर 8500एकड़ सिंचाई क्षेत्र में पानी छोड़ने की मांग को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो, राहे अचल किसान सभा के अध्यक्ष सह राज्य किसान कौंसिल सदस्य जयपाल सिंह मुंडा, राहे अंचल किसान सभा के सचिव,सह राज्य किसान कौंसिल सदस्य बिसमबर महतो, जिला किसान कोंसिल सदस्य शोभाराम महतो, जिला संयुक्त सचिव ,सह मुखिया पांडू राम मुंडा ने ज्ञापन सौंपा। झारखंड राज्य किसान सभा के महासचिव सुफल महतो ने कहा कि राहे प्रखंड एवं सोनाहातु प्रखंड के 8500 एकड़ सिंचाई क्षेत्र वाला कोकरो नहर में नहर विभाग द्वारा पानी नहीं छोड़ने से राहे प्रखंड के होटलों राहे,डोकाद,लोवाहातु,बी, नवाडीह एवं सोनाहातु प्रखंड के जिंतु,सोनाहातु,बारूहातु तेतला पंचायत के सैकड़ों गांवों में कोकरो नहर में पानी नहीं छोड़ने के कारण धान की रोपनी नहीं नहीं हो पा रही है,धान की रोपनी अधर पर लटका हुआ है,समय में नहर का पानी नहीं मिला तो किसानों को भारी नुक्सान उठाना पड़ेगा। इस मुद्दे पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ज्ञापन सौंपकर कोकरो नहर में शीघ्र पानी छोड़ने की गुहार लगाई है।

बीड़ी पत्ते का अवैध कारोबार से उजाड़ रहे जंगल

मुरी: सिल्ली क्षेत्र के जंगलों से बीड़ी पत्ता यानी केंदु पत्ते का अवैध कारोबार रोजाना धड़ल्ले से चल रहा है। सूत्रों के अनुसार प्रतिदिन बाइक पर बोरों में लोड कर पत्ते को बंगाल भेजा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक जंगल के पेड़ों से पत्ते तोड़कर पहले जंगल में ही सुखाए जाते हैं। सूखने के बाद उन्हें रात के समय बाइक और छोटे वाहनों से बंगाल की ओर तस्करी कर दी जाती है। इस अवैध कटाई के कारण जंगलों और पहाड़ों में हरियाली लगातार कम हो रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस कारोबार की जानकारी के बावजूद प्रशासन चुप्पी साधे हुए है। ग्रामीणों ने मांग की है कि वन विभाग और पुलिस संयुक्त रूप से छापेमारी कर अवैध तस्करी पर रोक लगाए, ताकि जंगलों को बचाया जा सके। कहीं ना कहीं वन विभाग की मिली भगत से काम चल रहा है।

डॉ अवशेष त्रिपाठी व होमगार्ड जवान आयुष सिंह पर मामला दर्ज

नवचयनित होमगार्ड के अभ्यर्थियों से मेडिकल जांच के नाम पर अवैध वसूली का आरोप

संवाददाता

चतरा : नवचयनित होमगार्ड के अभ्यर्थियों से मेडिकल जांच में अवैध वसूली के आरोप में मेडिकल टीम के चिकित्सक डॉ अवशेष त्रिपाठी व होमगार्ड जवान आयुष कुमार सिंह पर मामला दर्ज कराया गया। उपायुक्त सह गृह रक्षक नवनामांकन समिति के अध्यक्ष रवि आनंद के निर्देश पर कान्हाचट्टी सीओ सह चतरा सदर प्रखंड के प्रभारी बीडीओ मनोज कुमार गोप के द्वारा सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज करवाई गई।उक्त दोनों पर जबरन वसूली, धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र, लोक सेवक द्वारा गलत दस्तावेज तैयार करना व भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।जानकारी के अनुसार नव चयनित होमगार्ड जवानों के मेडिकल जांच व प्रमाण पत्र सत्यापन का कार्य जिला समादेष्टा होमगार्ड कार्यालय चतरा में 25 जुलाई से 12 अगस्त 2026 तक चल रहा है। इस दौरान मेडिकल जांच के नाम पर अभ्यर्थियों से दो हजार से लेकर छह हजार रुपये तक की अवैध वसूली की शिकायतें सामने आई थीं। चतरा सदर प्रखंड के प्रभारी बीडीओ मनोज कुमार गोप ने बताया कि शिकायतों की जांच व पूछताछ के दौरान मेडिकल जांच टीम में शामिल एक चिकित्सक व एक होमगार्ड जवान की संलिप्तता प्रथम दृष्टया सामने आई है।जांच में दोनों की भूमिका संदिग्ध पाये जाने के बाद उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।सूत्रों के अनुसार मेडिकल फिट करने के नाम पर एक से डेढ़ लाख तक की भी वसूली हुई है। मामले की निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से जांच की जाए तो मामला सब सामने आ जायेगा। जांच रिपोर्ट जल्दी देने के नाम पर अवैध वसूली करने वाले कर्मियों पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

कानून हाथ में लेने की इजाजत किसी को नहीं, दोषियों की हो जल्द गिरफ्तारी : जमीयत उलेमा झारखंड

संवाददाता

चतरा के बड़गांव में मृतक इमरोज अंसारी के परिजनों से मिला जमीयत का प्रतिनिधिमंडल, निष्पक्ष जांच और शांति बनाए रखने की अपील

रांची/चतरा, 6 अगस्त। जमीयत उलेमा-ए-हिंद झारखंड के महासचिव अलहाज शाह उमैर के निर्देश पर जमीयत उलेमा झारखंड का एक प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को चतरा जिले के बड़गांव पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने कथित भीड़ हिंसा में जान गंवाने वाले मो. इमरोज अंसारी, पिता सुल्तान अंसारी, के परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और पूरे मामले की जानकारी ली।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कारी मुमताज ने किया। उनके साथ मौलाना इरशाद और मौलाना मुबीन भी मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल ने मृतक के परिजनों से घटना की जानकारी लेने के साथ-साथ धरना स्थल पर मौजूद लोगों से भी बातचीत की। इसके अलावा क्षेत्र के थाना प्रभारी, अंचल अधिकारी एवं एसडीपीओ से मिलकर पूरे मामले पर चर्चा की। जमीयत उलेमा झारखंड के महासचिव अलहाज शाह उमैर ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जा सकती। किसी भी परिस्थिति में मॉब लिंचिंग जैसी घटनाएं स्वीकार्य नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी पर कोई आरोप है तो उसके खिलाफ कार्रवाई कानून के दायरे में होनी चाहिए, न कि भीड़ के हिंसक रवैये से।

उन्होंने जिला प्रशासन से क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि घटना की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कराई जाए तथा जो भी दोषी हों, उन्हें कानून के अनुसार कड़ी सजा दी जाए। साथ ही मामले में शामिल आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। जमीयत उलेमा झारखंड ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल द्वारा तैयार की जा रही तहकीकी रिपोर्ट जल्द ही जमीयत उलेमा-ए-हिंद के केंद्रीय नेतृत्व को भेजी जाएगी, ताकि आगे आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

रांची जिले के सभी मतदान केंद्रों पर प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित

संवाददाता

रांची : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत बुधवार को रांची जिले के सभी मतदान केंद्रों पर प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। सूची जारी होने के बाद बड़ी संख्या में मतदाता अपने संबंधित मतदान केंद्रों पर पहुंचे और उन्होंने अपने तथा परिवार के सदस्यों के नाम मतदाता सूची में दर्ज होने की जांच की। प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के साथ ही 01 अक्टूबर 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर दावा एवं आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। मतदाता 05 अगस्त से 04 सितंबर 2026 तक अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार, यदि किसी पात्र नागरिक का नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हुआ है तो वह प्रपत्र-6 भरकर आवश्यक घोषणा पत्र के साथ अपने संबंधित बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास जमा कर सकते हैं। वहीं, यदि किसी मतदाता का नाम गलत मतदान केंद्र में दर्ज हो गया है तो वह प्रपत्र-8 के माध्यम से मतदान केंद्र परिवर्तन के लिए आवेदन कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के दौरान 01 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए प्रपत्र-6, नाम एवं विवरण में संशोधन या स्थानांतरण के लिए प्रपत्र-8 तथा मृत, स्थानांतरित या अपात्र मतदाताओं के नाम हटाने के लिए प्रपत्र-7 के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। आवेदन संबंधित बूथ लेवल अधिकारी, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी, निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी कार्यालय अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय, रांची में जमा किए जा सकते हैं। इसके अलावा मतदाता ऑनलाइन माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग के पोर्टल और ईसीआईनेट ऐप के जरिए भी आवेदन कर सकते हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि के भीतर अपने नाम और विवरणों का सत्यापन जरूर करें तथा आवश्यक होने पर दावा एवं आपत्ति संबंधी आवेदन समय पर जमा करें, ताकि अंतिम मतदाता सूची अधिक शुद्ध और त्रुटिरहित तैयार की जा सके।

छात्रों की आवाज के साथ खड़े हुए सैयद शाहरुख हसन रिजवी, आंदोलन को दिया नैतिक समर्थन

कहा- छात्रों के भविष्य का सवाल किसी दल, जाति या धर्म से ऊपर, न्यायपूर्ण कार्रवाई की जरूरत

संवाददाता

रांची : झारखंड में जेपीएससी (खदरउ) और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर पिछले लगभग 11-12 दिनों से जारी छात्र आंदोलन को बुधवार को समाजवादी शिक्षक सभा, झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष सैयद शाहरुख हसन रिजवी का नैतिक समर्थन मिला।

सैयद शाहरुख हसन रिजवी आंदोलन स्थल पहुंचे। देवेंद्र नाथ महतो और अन्य छात्रों से मुलाकात कर उनकी मांगों एवं समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आंदोलनरत छात्रों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि जब बात छात्रों के भविष्य और उनके अधिकारों की होती है, तब वहां किसी राजनीतिक दल, जाति या धर्म की नहीं, बल्कि न्याय और शिक्षा की बात होती है। उन्होंने कहा, ₹हम यहां किसी राजनीतिक मंच के रूप में नहीं, बल्कि छात्रों के नैतिक समर्थन के लिए आए हैं। छात्रों का भविष्य सुरक्षित करना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। यदि युवाओं के साथ अन्याय होगा तो उसका असर पूरे राज्य के भविष्य पर पड़ेगा।

रिजवी ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और विश्वास योग्य होनी चाहिए, ताकि मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों का भरोसा व्यवस्था पर बना रहे। उन्होंने कहा कि आंदोलनरत छात्रों की जायज मांगों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए और यदि कहीं भी अनियमितता हुई है तो उसकी निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि समाजवादी शिक्षक सभा हमेशा छात्रों और युवाओं के हितों की रक्षा के लिए उनके साथ खड़ी रही है और आगे भी उनके अधिकारों की लड़ाई में नैतिक रूप से साथ देती रहेगी।

इस अवसर पर आंदोलनकारी छात्रों ने भी अपने मुद्दों को विस्तार से रखते हुए सरकार से शीघ्र समाधान की मांग दोहराई।

हंटरगंज में वज्रपात का कहर, तीन मवेशियों की मौके पर मौत

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत गोसाईडीह पंचायत के पत्सुगिया गांव स्थित कुल्लू टोला में बुधवार की शाम तेज बारिश के दौरान हुए वज्रपात की चपेट में आने से तीन मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से प्रभावित परिवारों को भारी आर्थिक क्षति हुई है, जिसके बाद उन्होंने प्रशासन से शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।जानकारी के अनुसार, पत्सुगिया निवासी छोटू भुईयां की एक गाय, सुधीर भुईयां की एक गाय तथा नागर निवासी जितेंद्र दास का एक बछड़ा रोज की तरह खुले मैदान में चर रहे थे।इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया और तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए सभी मवेशी पास स्थित एक महुआ के पेड़ के नीचे खड़े हो गए। तभी अचानक तेज गर्जना के साथ वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आने से तीनों मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। मवेशियों की मौत से संबंधित परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है, क्योंकि पशुपालन ही उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण साधन है।

जेपीएससी-जेएसएससी में कथित अनियमितताओं के विरोध में रांची छात्र मार्च में शामिल हुए खूंटी के विद्यार्थी, एबीवीपी ने दिया समर्थन

संवाददाता

खूंटी : झारखंड लोक सेवा आयोग एवं झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (खरउ) की भर्ती प्रक्रियाओं में कथित अनियमितताओं, पारदर्शी भर्ती व्यवस्था तथा सीबीआई जांच की मांग को लेकर बुधवार को रांची में आयोजित राज्यव्यापी छात्र मार्च एवं विरोध प्रदर्शन में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की खूंटी इकाई ने सक्रिय भागीदारी निभाई। परिषद ने आंदोलनरत विद्यार्थियों को अपना पूर्ण समर्थन देते हुए भर्ती प्रक्रियाओं में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग दोहराई।

एबीवीपी के प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी के नेतृत्व में खूंटी से बड़ी संख्या में विद्यार्थी एवं कार्यकर्ता रांची पहुंचे। छात्र मार्च डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय परिसर से शुरू होकर अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाला गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही तथा निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। विरोध स्वरूप मुख्यमंत्री का प्रतीकात्मक पुतला भी दहन किया गया।

प्रदेश मंत्री प्रकाश टुटी ने कहा कि झारखंड का युवा वर्षों की मेहनत और तैयारी के बाद प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होता है। ऐसे में भर्ती प्रक्रियाओं की निष्पक्षता पर उठ रहे सवाल अत्यंत गंभीर हैं। उन्होंने कहा कि लाखों अभ्यर्थियों का विश्वास बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि सभी आरोपों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच हो तथा यदि किसी भी स्तर पर अनियमितता सिद्ध होती है तो दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने कहा कि खूंटी वीर बिरसा मुंडा, सरदार गया मुंडा सहित अनेक स्वतंत्रता सेनानियों की संघर्षभूमि रही है। यहां के विद्यार्थी अन्याय के खिलाफ लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाना जानते हैं। इसी भावना के साथ खूंटी के विद्यार्थियों ने रांची पहुंचकर राज्यव्यापी छात्र आंदोलन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई। प्रकाश टुटी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद हमेशा विद्यार्थियों के शैक्षणिक अधिकार, रोजगार और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर संघर्ष करती रही है। परिषद की मांग है कि खदरउ एवं खररउ से जुड़े सभी मामलों की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराई जाए, योग्य अभ्यर्थियों को न्याय मिले तथा भविष्य में भर्ती प्रक्रियाओं को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए।

उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि युवाओं की न्यायोचित मांगों की अनदेखी की गई और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की गई, तो एबीवीपी विद्यार्थियों के साथ लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक दायरे में अपने आंदोलन को और व्यापक करेगी। परिषद ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि झारखंड के लाखों विद्यार्थियों और प्रतियोगी अभ्यर्थियों के भविष्य, विश्वास तथा न्यायपूर्ण अवसरों की रक्षा के उद्देश्य से किया जा रहा है। एबीवीपी ने राज्य सरकार से युवाओं की मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर शीघ्र उचित निर्णय लेने की अपील की।

जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी पर बड़ी कार्रवाई
रांची और लखनऊ से पांच आरोपी गिरफ्तार

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के मामले में अपराध अनुसंधान विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रांची और लखनऊ से पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अपराध अनुसंधान विभाग थाना कांड संख्या 18/2026, दिनांक 22 जुलाई 2026 के आधार पर की गई। विभाग ने छापेमारी के दौरान मामले से जुड़े डिजिटल और अभिलेखीय साक्ष्य भी बरामद कर जब्त किए हैं।

गिरफ्तार आरोपियों में लोहरदगा निवासी उमाकांत उरांव, रांची निवासी रोशन केरकेट्टा, मनोज कुमार और धर्मेन्द्र कुमार तथा उत्तर प्रदेश के लखनऊ निवासी शाक सिंह शामिल हैं। अपराध अनुसंधान विभाग के अनुसार उमाकांत उरांव पर 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में कथित रूप से धोखाधड़ी और अनुचित साधनों का उपयोग कर सफल होने के साथ-साथ अन्य अभ्यर्थियों को उपलब्ध कराने के लिए एजेंट के रूप में काम करने का आरोप है। वहीं रोशन केरकेट्टा और मनोज कुमार पर भी 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में कथित रूप से धोखाधड़ी और अनुचित साधनों के उपयोग का आरोप लगाया गया है।

वहीं लखनऊ निवासी शाक सिंह झारखंड लोक सेवा आयोग की परीक्षा संचालित करने वाली कंपनी में लेखाकार के पद पर कार्यरत था। उस पर भी 14वीं झारखंड लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा में कथित रूप से धोखाधड़ी और अनुचित साधनों का उपयोग करने का आरोप है। इसके अलावा धर्मेन्द्र कुमार को भी इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

अपराध अनुसंधान विभाग ने बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और अनुसंधान के दौरान मिलने वाले साक्ष्यों के आधार पर आगे भी विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। विभाग का कहना है कि पूरे प्रकरण की गहन जांच की जा रही है तथा आवश्यकता पड़ने पर अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षक नियुक्ति मामले में गठित वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का कार्यकाल बढ़ा

रांची : झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस दीपक रोशन की एकलपीठ के में गुरुवार को मीना कुमारी एवं अन्य से संबंधित शिक्षक नियुक्ति मामले में गठित वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के कार्यकाल विस्तार के आवेदन पर सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद न्यायालय ने वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमेटी को अपनी जांच पूर्ण कर रिपोर्ट न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए तीन माह का अतिरिक्त समय प्रदान किया है। सुनवाई के दौरान याचिकाकताओं की ओर से अधिवक्ता चंचल जैन, शेखर गुप्ता एवं अन्य अधिवक्ताओं ने पक्ष रखा।

शिक्षक नियुक्ति में कथित अनियमितताओं जुड़ा है मामला : उल्लेखनीय है कि यह मामला शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं से संबंधित है। इन आरोपों की निष्पक्ष एवं व्यापक जांच के उद्देश्य से हाईकोर्ट ने पूर्व में वन मैन फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया था। न्यायालय द्वारा दिए गए अतिरिक्त समय के पश्चात अब कमेटी आगामी तीन माह के भीतर अपनी जांच पूरी कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी जिसके आधार पर मामले की आगे की सुनवाई होगी।

सीयूजे में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

रांची : भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के निर्देशन में संचालित न्यू वोटर्स अभियान के तहत झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजे) के इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब द्वारा युवा मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और मतदाता पंजीकरण एवं लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग की प्राध्यापिका डॉ. राजर्षि पाधी ने कहा कि प्रत्येक पात्र युवा को अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति एक महत्वपूर्ण कर्तव्य भी है। युवाओं की सक्रिय भागीदारी से लोकतांत्रिक व्यवस्था और मजबूत होती है।

कार्यक्रम की प्रस्तावना एवं संचालन इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब के नोडल अधिकारी डॉ. शशांक कुलकर्णी ने किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब युवा मतदाताओं तक लोकतांत्रिक जागरूकता पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने इसे राष्ट्रव्यापी जन-जागरूकता अभियान बताते हुए कहा कि युवाओं की भागीदारी लोकतंत्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग के प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए विद्यार्थियों से अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति सजग रहने और लोकतांत्रिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। इस आयोजन को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सारंग मेढेकर, कुलसचिव के. कोसला राव और विभागाध्यक्ष प्रो. आलोक कुमार गुप्ता का मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विभाग की प्राध्यापिका डॉ. प्रीति सिंह एवं डॉ. देवाशीष का भी सहयोग रहा। इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब ने भविष्य में भी युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के लिए ऐसे जागरूकता कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की प्रतिबद्धता जताई।

रांची में स्वच्छता सुविधाओं का होगा विस्तार

रांची : शहरवासियों को बेहतर, सुरक्षित और सुलभ स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य सरकार एवं नगर विकास एवं आवास विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। स्वच्छ भारत मिशन 2.0 के तहत रांची नगर निगम को विभिन्न प्रकार के शौचालयों के निर्माण के लिए 43.25 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। इस योजना के माध्यम से शहर के विभिन्न क्षेत्रों में आधुनिक एवं नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वच्छता अवसंरचना विकसित की जाएगी।

इस संबंध में नगर आयुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में निगम पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शौचालय निर्माण की कार्ययोजना, संभावित स्थलों के चयन, आवश्यक सुविधाओं के आकलन तथा निर्माण कार्यों के समयबद्ध क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की गई। योजना के तहत 250 व्यक्तिगत शौचालयों के निर्माण के लिए 75 लाख रुपये, 50 सामुदायिक शौचालयों के लिए 15.23 करोड़ रुपये, 65 सार्वजनिक शौचालयों के लिए 20.02 करोड़ रुपये, 20 एस्पिरेशनल टॉयलेट्स के लिए 6.09 करोड़ रुपये तथा 362 यूनिट मूत्रालयों के निर्माण के लिए 1.15 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन सभी परियोजनाओं पर कुल 43.25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। बैठक में नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि स्वच्छ एवं सुलभ शौचालय केवल एक आधारभूत सुविधा नहीं, बल्कि नागरिकों के स्वास्थ्य, गरिमा और स्वच्छ शहर की पहचान से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने अधिकारियों और अभियंताओं को निर्देश दिया कि जिन स्थलों का चयन किया जा चुका है, वहां स्वीकृत डिजाइन, निविदा प्रक्रिया और अन्य सभी औपचारिकताएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी करते हुए निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाए। नगर आयुक्त ने 15 अगस्त तक सभी प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण कर डिजाइन तैयार करने तथा निर्माण कार्यों को तय समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सभी परियोजनाओं में गुणवत्ता और निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि शहरवासियों को बेहतर और टिकाऊ स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

रांची में स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां तेज, 14 प्लाटून लेगी परेड में भाग

पहली बार ओडिशा पुलिस भी होगी शामिल

संवाददाता

रांचीः राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में 15 अगस्त को आयोजित होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारियां अपने अंतिम चरण में है। बुधवार को रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री की अध्यक्षता में समारोह की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की गई. इस दौरान डीसी ने सभी विभागों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए।

इस बार के स्वतंत्रता दिवस समारोह की एक खास बात यह होगी कि कुल 14 प्लाटून परेड में हिस्सा लेंगी, जबकि ओडिशा पुलिस की टुकड़ी भी पहली बार समारोह में शामिल होगी. इसके साथ-साथ झारखंड सशस्त्र पुलिस, जिला पुलिस, झारखंड जगुआर, सीआरपीएफ, एसएसबी, सीआईएसएफ और एनसीसी के कैडेट्स भी परेड में भाग लेंगे। रांची डीसी कार्यालय के और से जारी किए गए प्रेस विज्ञप्ति में यह बताया गया है कि डीसी रांची ने भवन प्रमंडल को निर्देश दिया कि मोरहाबादी मैदान में आगंतुकों के लिए दाएं और बाएं हिस्से में वाटरप्रूफ पंडाल, गैलरी और पर्याप्त कुर्सियों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए. साथ ही मैदान का समतलीकरण, बैरिकेडिंग, मुख्य मंच और साउंड सिस्टम के लिए आवश्यक टावर का निर्माण समय पर पूरा किया जाए। जबकि उपसमाहर्ता को समारोह का मिनट-टू-मिनट कार्यक्रम तैयार करने, मुख्य मंच और आमंत्रित अतिथियों के बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

डीसी ने विद्युत कार्य प्रमंडल को निर्बाध बिजली आपूर्ति और साउंडप्रूफ जनरेटर की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है. जबकि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को कार्यक्रम स्थल पर पेयजल, वीआईपी शौचालय और परेड में भाग लेने वाले कैडेट्स के लिए अस्थायी शौचालय उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

डीसी ने मोरहाबादी मैदान तक जाने वाली सड़कों की मरम्मत, साफ-सफाई, चिकित्सा शिविर और अग्निशमन व्यवस्था को लेकर भी संबंधित विभागों को पूरी तैयारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि समारोह के दौरान किसी भी स्तर पर अव्यवस्था नहीं होनी चाहिए और सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।

समय-सीमा के भीतर तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश : बैठक के दौरान डीसी ने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता और तत्परता से निर्वहन करें और सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे कर लिए जाएं, ताकि 15 अगस्त का राज्यस्तरीय समारोह भव्य, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

सीयूजे में राष्ट्रीय रसायन विज्ञान दिवस का आयोजन

संवाददाता

रांची : केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड(सीयूजे)के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा महान वैज्ञानिक आचार्य प्रफुल्ल चंद्र राय की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय रसायन विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सारंग मेधाकर, डीन प्रो. मनोज कुमार, प्राकृतिक विज्ञान संकाय के डीन प्रो. मनोज कुमार, रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार पाढ़ी, विभाग के सभी शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में टाटा पिगमेंट्स के प्रबंध निदेशक सरोज कुमार बनर्जी और टाटा स्टील के अनुसंधान एवं विकास विभाग के प्रमुख डॉ. तपन कुमार राउत ने विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के औद्योगिक महत्व और इसके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सरोज कुमार बनर्जी ने रंगद्रव्य निर्माण, उसके उपयोग और विभिन्न उद्योगों में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि रंगद्रव्य का प्रयोग पेंट, प्लास्टिक, स्याही और निर्माण सामग्री सहित कई औद्योगिक उत्पादों में किया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को जुनून, दृढ़ता और प्रदर्शन, रचनात्मकता, संवाद, सहयोग और प्रतिबद्धता तथा कम उपयोग, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और पुनर्प्राप्ति जैसे सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और वैज्ञानिक सोच के महत्व पर भी जोर दिया।

इसके बाद डॉ तपन कुमार राउत ने धातुओं के निष्कर्षण और इस्पात निर्माण प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने लौह अयस्क से इस्पात तैयार करने की विभिन्न प्रक्रियाओं, आधुनिक तकनीकों और अनुसंधान एवं विकास की भूमिका को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से बेहतर गुणवत्ता वाला इस्पात तैयार करने के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा। अंत में रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. अरुण कुमार पाढ़ी ने अतिथियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विभागाध्यक्ष और विभाग के सभी प्राध्यापकों का धन्यवाद किया।

बीआईटी मेसरा में आज से अंतरराष्ट्रीय इंजीनियरिंग सम्मेलन

थर्मो-फ्लूड्स एवं सिस्टम डिजाइन पर होगी चर्चा

संवाददाता

रांची : बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी), मेसरा में 6 और 7 अगस्त को थर्ड इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन थर्मो-फ्लूड्स एंड सिस्टम डिजाइन का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, शिक्षाविद, शोधार्थी और उद्योग जगत के विशेषज्ञ भाग लेंगे तथा इंजीनियरिंग के नवीनतम शोध और तकनीकी विकास पर विचार-विमर्श करेंगे।

सम्मेलन का मुख्य फोकस थर्मल इंजीनियरिंग, फ्लूड मैकेनिक्स, कम्प्यूटेशनल फ्लूड डायनेमिक्स, ऊर्जा प्रणालियों और उन्नत सिस्टम डिजाइन से जुड़े विषयों पर रहेगा। आयोजन का उद्देश्य अकादमिक शोध और औद्योगिक अनुप्रयोगों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना तथा शोधकताओं के बीच सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देना है।

सम्मेलन में आयरलैंड, स्पेन और भारत के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ मुख्य वक्ता (कीनोट स्पीकर) के रूप में शामिल होंगे। इनमें देश के विभिन्न आईआईटी सहित प्रमुख शैक्षणिक एवं शोध संस्थानों के प्रोफेसर और वैज्ञानिक भी शामिल हैं। विशेषज्ञ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, ऊर्जा दक्षता, सतत विकास और उभरती प्रौद्योगिकियों पर व्याख्यान देंगे।

आयोजकों के अनुसार, सम्मेलन में प्रस्तुत शोध-पत्रों का चयन कठोर समीक्षा प्रक्रिया के बाद किया गया है। चयनित शोध-पत्रों को प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स और कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग्स में प्रकाशन का अवसर मिलेगा। सम्मेलन में देशभर के विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और उद्योगों से बड़ी संख्या में प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है।

सम्मेलन की जानकारी चेयरमैन एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष डॉ अपूर्व कुमार रॉय, कन्वीनर डॉ. लखबीर सिंह बराड़ एवं डॉ सुशांत घुकू, कोऑर्डिनेटर डॉ ओम प्रकाश एवं डॉ अभिषेक कुमार कश्यप तथा ऑगेनाईजिंग सेक्रेटरी डॉ अर्कदेब मुखोपाध्याय एवं डॉ अंकुर चट्टोपाध्याय ने संयुक्त रूप से दी।

रांची में बनेगा आधुनिक एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर

रांची : राज्य सरकार एवं नगर विकास एवं आवास विभाग ने शहरी क्षेत्रों में एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन और आवश्यक आधारभूत संरचना के विकास के लिए रांची नगर निगम को एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर के निर्माण हेतु 2.10 करोड़ रुपए की राशि उपलब्ध कराई है। इस परियोजना के माध्यम से आवारा श्वानों की संख्या को मानवीय और वैज्ञानिक तरीके से नियंत्रित करने के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य एवं कल्याण से जुड़े कार्यों को भी सुदृढ़ किया जाएगा। इसी क्रम में बुधवार को नगर आयुक्त सुशांत गौरव की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रस्तावित एबीसी सेंटर के लिए स्थल चयन, निर्माण से संबंधित आवश्यक प्रक्रियाओं तथा समयबद्ध तरीके से निविदा प्रकाशित करने को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सभी प्रक्रियाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरी करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि पशु आश्रय-सह-जन्म नियंत्रण केंद्र की स्थापना के लिए रांची नगर निगम ने मौजा बड़गाई, खाता संख्या-140, प्लॉट संख्या-767 की कुल 1 एकड़ 90 डिसमिल भूमि में से 20.2 डिसमिल भूमि चिन्हित की है। इस केंद्र में आवारा श्वानों की नसबंदी, रेबीज टीकाकरण और वैज्ञानिक प्रबंधन की व्यवस्था की जाएगी,

सीसीएल के अरगड़ा क्षेत्र में समाधान शिविर आयोजित
कर्मचारियों की शिकायतों का हुआ त्वरित निस्तारण

रांचीः सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के निदेशालय द्वारा बुधवार को अरगड़ा क्षेत्र में एक दिवसीय समाधान शिविर का सफल आयोजन किया गया। सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चले इस शिविर में कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न सेवा संबंधी समस्याओं और शिकायतों को प्रबंधन के समक्ष रखा।

शिविर की अध्यक्षता समाधान प्रकोष्ठ के मुख्य प्रबंधक गौतम चौधरी ने की। इस अवसर पर अरगड़ा क्षेत्र के स्टाफ अधिकारी (मानव संसाधन एवं प्रशासन) राजीव कुमार, मुख्य प्रबंधक (कार्मिक) तेजविंदर सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) एवं समाधान सेल की नोडल अधिकारी ऋचा टाइटस, स्टाफ अधिकारी (सिविल), सभी इकाइयों के मानव संसाधन अधिकारी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

शिविर के दौरान कर्मचारियों ने आवास (क्वार्टर) अनुरक्षण, पदोन्नति तथा अन्य सेवा संबंधी मामलों से जुड़ी समस्याएं रखीं। प्रबंधन ने संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए अधिकांश शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर कर्मचारियों को तत्काल राहत प्रदान की। वहीं, जिन मामलों के समाधान के लिए विस्तृत प्रक्रिया आवश्यक थी, उन्हें नियमानुसार समयबद्ध कार्रवाई के लिए दर्ज किया गया।

सीसीएल प्रबंधन ने कहा कि इस तरह के समाधान शिविर कर्मचारियों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण, पारदर्शी कार्यप्रणाली और उत्तरदायी प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। यह आयोजन कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करने तथा उनकी समस्याओं के प्रभावी समाधान के प्रति सीसीएल की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

झारखंड को मिली अत्याधुनिक अग्निशमन सेवा की सौगात, बेड़े में 58 मिनी वाटर टेंडर शामिल

संकीर्ण गलियों और घनी बस्तियों में आग बुझाने में कारगर साबित होंगी ये गाड़ियां

संवाददाता

रांची : झारखंड में अग्निशमन और फायर सेफ्टी व्यवस्था को अधिक अत्याधुनिक, सक्षम और सुदृढ़ बनाने की दिशा में राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। गुरुवार को धुर्वा स्थित होमगार्ड विभाग परिसर में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड अग्निशमन सेवा के बेड़े में शामिल 58 आधुनिक मिनी टेंडर वाटर विथ मिस्ट टेक्नोलॉजी वाहनों का लोकार्पण किया और उन्हें हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अक्सर देखा जाता है कि शहरों की संकीर्ण गलियों, घनी आबादी वाली बस्तियों, भीड़-भाड़ वाले बाजारों और दुर्गम इलाकों में आग लगने पर बड़े पारंपरिक दमकल वाहन समय पर नहीं पहुंच पाते हैं। इस समस्या का स्थायी समाधान निकालते हुए झारखंड सरकार ने इन विशेष मिनी फायर टेंडरों को

बेड़े में शामिल किया है। ये वाहन आकार में छोटे और सुगम होने के कारण ऐसे तंग रास्तों में आसानी से प्रवेश कर सकेंगे। इसमें प्रयुक्त ह्यमिस्ट टेक्नोलॉजीह्व (पानी की बेहद बारीक फुहार) के माध्यम से कम पानी का उपयोग करके बहुत तेजी से आग पर काबू पाया जा सकता है। इससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में किसी भी आपात स्थिति के दौरान त्वरित राहत पहुंचाने में बड़ी मदद मिलेगी।

ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–02, रॉंची

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेन्ट नोटिस

ई–टेन्डर रेफरेन्स नं0–17/2026-27/EE/BCD/DIV-2,RANCHI.दिनांक–06.08.2026

1.	कार्य का नाम	2. प्राक्कलित राशि (रू0)	3. कार्य पूर्ण की अवधि
	Renovation of Central Dome and Top Corridor Roof Area at New Vidhan Sabha Building, Ranchi	राशि रू0 60,39,800.00 (साठ लाख उनचालीस हजार आठ सौ) रूपये मात्र।	1 (एक) माह
4.	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	19.08.2026 को 11:00 बजे	
5.	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	25.08.2026 को 11:00 बजे तक	
6.	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल सं0–2, रॉंची।	
7.	निविदा खोलने की तिथि/समय एवं स्थान	27.08.2026 को 11:30 बजे नोडल पदाधिकारी, ई0 प्रोक्यूरमेंट सेल, अधीक्षण अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–2, रॉंची	
8.	प्रोक्योरमेन्ट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	6203309676	
9.	ई–प्रोक्योरमेन्ट सेल का हेल्पलाईन संख्या	7992430721	

10. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
11. सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेंस विभाग, झारखण्ड, सरकार के आदेश ज्ञापांक–120 दिनांक–03.10.2023 के द्वारा निर्गत SOP (मानक संचालन प्रक्रिया) एवं भवन निर्माण विभाग, झारखण्ड, सरकार के पत्रांक 2229 दिनांक 06.10.2023 के आलोक में निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा स्वीकार्य होगी।
12. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, SOP के तहत अग्रधन की राशि उसी खाते में वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी संपूर्ण जवाबदेही निविदादाता की होगी।

• अन्य किसी भी प्रकार के बदलाव की सूचना http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल संख्या–02, रॉंची

PR 386713 Building(26-27)#D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

गंगा न्यायमूर्ति भुयान के लिए भले सिर्फ नदी हो, पर करोड़ों के लिए आस्था की अविरल धारा है

भारतीय घरों में प्रतिदिन उच्चारित होने वाला यह मंत्र, वस्तुतः उस सभ्यता की घोषणा है जिसने नदियों को संसाधन नहीं, माता माना, जल को पदार्थ नहीं, जीवन माना और गंगा को नदी नहीं, संस्कृति की भावधारा से जोड़ा इसीलिए जब कोई यह कहता है कि गंगा तो बहता हुआ पानी है अथवा उसके संदर्भ में सिर्फ यह तर्क देता है कि ₹गंगा के किनारे चिकन खाने पर कोई कानून नहीं है₹, तब यह तर्क और विवाद किसी भोजन या गिरफ्तारी तक सीमित नहीं रह जाता, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना और आधुनिक विधिक दृष्टि के बीच संवाद का प्रश्न बन जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान ने वाराणसी के उस प्रकरण का उल्लेख करते हुए, जिसमें गंगा तट पर चिकन बिरयानी खाकर इफ्तार करने वाले कुछ युवकों की गिरफ्तारी हुई थी, व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की रक्षा का पक्ष रखा। आप कह सकते हैं कि उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से यूपी सरकार में पुलिस की कार्यप्रणाली और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस मुद्दे पर कटघरे में खड़ा करने का प्रयास किया। हो सकता है उन्हें जो कानून के विद्यार्थी सुन रहे थे, वह उनके पद एवं प्रतिष्ठा के प्रभाव में आकर उनकी बातों को सच माल लें! किंतु इस पक्ष से जुड़ा एक सच यह भी है कि क्या भारतीय संविधान किसी की भावनाओं और आस्था से खिलवाड़ करने के लिए कोई अवसर देता है? बेशक, लोकतंत्र में यह चिंता निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। किसी नागरिक की स्वतंत्रता का अनावश्यक हनन नहीं होना चाहिए, परंतु प्रश्न यह भी है कि क्या किसी पवित्र स्थल की मयार्दा को सिर्फ इस आधार पर परखा जा सकता है कि उस संबंध में कोई दंडात्मक कानून है या नहीं? इसलिए जो मर्जी आए करें! अपनी जूठन उस पवित्र जल में डालें, जिसके प्रति करोड़ों लोग आस्थावान हैं। सोचिए, सामने से देखने पर यह दृश्य कितना खराब लगता है, जब आप शाकाहारी हों, नदी के प्रति पवित्र भाव रखते हों और उसी नदी के ऊपर कुछ लोग आकर मांसाहार करें, फिर उसके अवशेष पवित्र जल में मिला दें। यहां आप ये कृत्य कर रहे हैं और दूसरी जगह कोई उस जल को बहुत ही श्रद्धा से आचमन कर रहा है, पवित्र 'शुद्धिकरण मंत्र' भी बोल रहा है-

यानी वह इस मंत्र के साथ तीन बार केशव, नारायण एवं माधव का नाम स्मरण कर उसे पी रहा हो, तब आप स्वयं विचार करें कि जो यह पवित्र जल पी रहा है, वह इस तरह के मांसाहार से जुड़े वीडियो सामने आने के बाद क्या अपना भाव उतना ही पवित्र रख सकेगा, जिस भाव से वह गंगा में पवित्रीकरण करने पहुंचा था? साथ ही इस क्रिया के अलावा अनेक श्रद्धावान अपनी बॉटल में भरकर गंगाजल को घर के मंदिर में रखने के लिए ले जाते हैं, तब क्या इस स्थिति में, इस भाव में वह जल किसी भी मंदिर में रखेजाने योग्य है? स्वभाविक है कि भारत की हिन्दू चेतना इस प्रश्न का उत्तर ₹नहीं₹ में देती है।

काश; हमारे न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान को कोई यह अवश्य बताए कि सभ्यताएँ सिर्फ संविधान की धाराओं पर नहीं टिकतीं, वे स्मृतियों, प्रतीकों और श्रद्धा पर भी खड़ी होती हैं। यदि कानून ही अंतिम सत्य होता, तो संसार में ₹मयार्दा₹ जैसा कोई शब्द नहीं होता। किसी न्यायालय में प्रवेश करते समय लोग स्वतः संयमित हो जाते हैं। राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान व्यक्त करते हैं। बलिदानी स्मारकों पर ऊँचे स्वर में ठहाके नहीं लगाते। इन सबके लिए हर क्षण पुलिस या दंड संहिता की आवश्यकता नहीं पड़ती। भारत के उच्चतम न्यायालय के प्रतीक चिन्ह के नीचे ₹यतो धर्मस्ततो जयः₹ लिखा हुआ है, क्योंकि समाज सिर्फ भय से नहीं, संस्कार से भी संचालित होता है। ठीक उसी प्रकार गंगा के घाट करोड़ों लोगों के लिए मंदिर के समान पवित्र हैं। वहाँ आचरण का निर्धारण विधिक प्रावधानहीं करते हैं, यहां तो सांस्कृतिक मयार्दा भी बहुत कुछ तय करती है।

गंगा का इतिहास वेदों से प्रारंभ होता है। ऋग्वेद के नदी सूक्त में गंगा का स्मरण है। वाल्मीकि रामायण में वह भगीरथ की तपस्या है। महाभारत में भीष्म की माता गंगा हैं। विष्णु पुराण उन्हें विष्णुपदी कहता है। स्कंद पुराण तो स्पष्ट घोषणा ही कर देता है-

भारतीय परंपरा में गंगा जल ही वह जल है, जिसका एक पात्र हर हिन्दू घर में रखा जाता है। जन्म के संस्कार में वही गंगाजल छिड़कता है। विवाह की प्रतिज्ञा उसी के साक्ष्य में होती है। मृत्यु के समय अंतिम बूंद भी उसी की चाही जाती है। वस्तुतः जो नदी मनुष्य के जन्म से मृत्यु तक उसके साथ चलती है, उसे सिर्फ ₹जल₹ कहना उस भावलोक को नकार देना है, जिसमें भारत सहस्राब्दियों से साँस लेता आया है। भगवान श्रीकृष्ण ने भी गंगा को अपनी विभूति कहा है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं- ₹स्रोतसामस्मि जाह्नवी।₹ (गीता 10.31) यानी कि नदियों में मैं स्वयं जाह्नवी अर्थात् गंगा हूँ। निश्चित ही उनका यह कथन गंगा को दिव्यता के सर्वोच्च प्रतिमान के रूप में स्थापित करती है। फिर यदि भारतीय समाज गंगा के प्रति असाधारण श्रद्धा रखता है, तो उसका आधार हजारों वर्षों की दार्शनिक परंपरा भी है। पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी गंगा के सामने नतमस्तक थे, उन्होंने अपनी वसीयत में लिखा- ₹गंगा भारत की नदी है... उससे हमारी जातीय स्मृतियाँ, हमारी आशाएँ, हमारे भय, हमारी विजय और हमारी पराजय जुड़ी हुई हैं। नेहरू स्वयं आधुनिक वैज्ञानिक सोच के पक्षधर थे, किंतु उन्होंने भी गंगा में भारतीय आत्मचेतना को देखा।भले ही फिर नेहरुजी की नीतियों एवं अन्य मामलों में कई मोर्चों पर आलोचना होती होगी, किंतु गंगा को लेकर उनका सदैव ही स्पष्ट मत रहा और उस मत से देखें तो गंगा एक पवित्र नदी है, जिसे अपवित्र करने का अधिकार किसी को नहीं दिया जा सकता है। यदि नेहरू, विवेकानंद, शंकराचार्य, तुलसीदास, कबीर और महात्मा गांधी, सभी गंगा को भारत की सांस्कृतिक धुरी मानते हैं, तो प्रश्न उठता है कि क्या आधुनिक विधिक विमर्श में उस सांस्कृतिक सत्य के लिए पर्याप्त स्थान बचा है?

लोकतंत्र अधिकार देता है; किंतु अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व भी जोड़ता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं कि समाज की गहरी आस्थाओं की उपेक्षा कर दी जाए। संविधान नागरिक को अधिकार देता है, पर वही संविधान प्रत्येक नागरिक से यह अपेक्षा भी करता है कि वह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करेगा। यही कारण है कि किसी धार्मिक स्थल पर आचरण व्यक्तिगत पसंद तक सीमित नहीं रहता है, वह सभी के हित से जुड़ा रहता है।

अब न्यायमूर्ति भुयान ने स्वयं अपने व्याख्यान में कहा कि न्यायपालिका की वास्तविक शक्ति न धन है, न तलवार, उसकी सबसे बड़ी शक्ति जनता का विश्वास है। वस्तुतः गहराई से देखें तो यही बात इस प्रसंग पर भी लागू होती है। जनता का विश्वास विधिक प्रज्ञा से बनने के साथ ही वह इस अनुभूति से भी बनता है कि न्यायपालिका समाज की संवेदनाओं को समझती है। भारतीय न्याय व्यवस्था तभी अधिक प्रतिष्ठित होगी, जब वह संविधान के अक्षर के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक आत्मचेतना और गौरव को भी समान सम्मान देगी। आज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम भारत को सिर्फ विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति की कसौटी पर पढ़ने लगे हैं, जबकि भारत का वास्तविक परिचय उसकी सभ्यता में है। गंगा इस देश के लिए 2,525 किलोमीटर लंबी यात्रा पूर्ण करती है। वे हिमालय से समुद्र तक बहती हुई वह सांस्कृतिक चेतना हैं, जिसने उत्तर और दक्षिण, पूर्व और पश्चिम, भाषा और जाति, गाँव और नगर इन सभी को एक सूत्र में बाँध रखा है।

पप्पू यादव का विवादों भरा राजनीतिक सफर

हाल के दिनों में संसद परिसर में पप्पू यादव ने विपक्षी नेताओं के साथ मिलकर सांकेतिक नाट्य-प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में वे गेरुआ वस्त्र पहनकर बैठे और राममंदिर के चंदे में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाने का प्रयास किया। विपक्ष का कहना था कि यह सरकार से जवाब मांगने का प्रतीकात्मक विरोध था।

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

राजेश रंजन, जिन्हें पप्पू यादव के नाम से जाना जाता है, बिहार की राजनीति के विवादास्पद नेताओं में गिने जाते हैं। उनका राजनीतिक जीवन जितना लंबा है, उतना ही विवादों से भी घिरा है। वे कई बार लोकसभा सदस्य चुने गए हैं और समय-समय पर समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद), लोक जनशक्ति पार्टी तथा बाद में अपनी पार्टी जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) के माध्यम से राजनीति करते रहे। वर्ष 2024 में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया, हालांकि पूर्णिया से टिकट नहीं मिलने पर उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़कर जीत हासिल की और बाद में संसद में कांग्रेस-नीत विपक्ष के साथ तालमेल बनाकर काम करना शुरू किया। पप्पू यादव का राजनीतिक आधार मुख्यतः सीमांचल और कोसी क्षेत्र में रहा है, वे स्वयं को गरीब और वंचितों की आवाज के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान राहत कार्यों के कारण भी उन्हें व्यापक चर्चा मिली। दूसरी ओर, उनके राजनीतिक जीवन के साथ कई आपराधिक मामले भी जुड़े रहे हैं। विभिन्न मामलों में उनके विरुद्ध मुकदमे दर्ज हुए और कुछ मामलों में उन्हें न्यायालयों का सामना करना पड़ा। हालांकि भारतीय कानून के अनुसार किसी भी व्यक्ति को अंतिम न्यायिक निर्णय से पहले दोषी नहीं माना जाता। वर्ष 2015 में उन्होंने जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) का गठन किया। उद्देश्य था कि बिहार की पारंपरिक राजनीति का विकल्प प्रस्तुत करना लेकिन यह दल राज्य स्तर पर मजबूत संगठन, संसाधन और व्यापक सामाजिक गठबंधन विकसित नहीं कर सका। बिहार की राजनीति लंबे समय से जातीय समीकरण और बड़े दलों में जद(यू), राजद, भाजपा और कांग्रेस के इर्द-गिर्द घूमती रही , ऐसे में जन अधिकार पार्टी को सीमित क्षेत्रों से आगे विस्तार नहीं मिल सका, यही कारण रहा कि अंततः उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया।

हाल के दिनों में संसद परिसर में पप्पू यादव ने विपक्षी नेताओं के साथ मिलकर सांकेतिक नाट्य-प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में वे गेरुआ वस्त्र पहनकर बैठे और राममंदिर के चंदे में कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाने का प्रयास किया। विपक्ष का कहना था कि यह सरकार से जवाब मांगने का प्रतीकात्मक विरोध था। वहीं, कई संतों, धार्मिक संगठनों और अन्य लोगों ने इसे सनातन का अपमान बताया तथा इस संबंध में पुलिस शिकायतें भी दर्ज कराई गईं।

यह कहना कि केवल सनातन धर्म में ही चोरी या अनियमितता होती है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। किसी भी धर्म का मूल सिद्धांत नैतिकता, ईमानदारी और न्याय है लेकिन व्यवहारिक स्तर पर सभी समाज और धर्मों में कुछ व्यक्तियों द्वारा गलत कार्य किए जाने के उदाहरण मिलते हैं। चाहे वह हिंदू धार्मिक संस्थान हों, मुस्लिम वक्फ बोर्ड से जुड़े मामले हों, ईसाई मिशनरी संस्थाएँ हों या अन्य धार्मिक संगठन- वित्तीय अनियमितताओं के आरोप समय-समय पर सामने आते रहे हैं। इसलिए किसी एक धर्म को विशेष रूप से निशाना बनाकर पूरे समुदाय को दोषी ठहराना उचित नहीं माना जाता, यदि किसी धार्मिक संस्था में चंदे या दान के उपयोग को लेकर प्रश्न उठते हैं तो उनका समाधान जांच, पारदर्शिता और कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से होना चाहिए, न कि केवल राजनीतिक प्रदर्शन के आधार पर। सनातन धर्म में भगवा वस्त्र त्याग, तप, सेवा और आध्यात्मिक साधना का प्रतीक माना जाता है। इसलिए यदि कोई व्यक्ति धार्मिक प्रतीकों का उपयोग केवल राजनीतिक व्यंग्य या विरोध के लिए करता है तो अनेक श्रद्धालु इसे अनुचित मानते हैं। दूसरी ओर, लोकतांत्रिक व्यवस्था में शांतिपूर्ण और प्रतीकात्मक विरोध भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का एक माध्यम माना जाता है। इसलिए यह प्रश्न केवल धार्मिक नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मयार्दा और राजनीतिक शालीनता से भी जुड़ा है, यदि किसी प्रदर्शन से करोड़ों लोगों की धार्मिक भावनाएँ आहत होने की आशंका हो तो सार्वजनिक जीवन में संयम बरतना अधिक उपयुक्त माना जाता है। वहीं, यदि किसी पक्ष को भ्रष्टाचार या अनियमितता का आरोप लगाना हो तो उसके लिए संसद में बहस, दस्तावेज, जांच और कानूनी प्रक्रिया अधिक प्रभावी और गरिमापूर्ण माध्यम माने जाते हैं। पप्पू यादव सहित कई नेताओं के खिलाफ आपराधिक मामले रहे हैं लेकिन भारतीय संविधान के अनुसार जब तक किसी व्यक्ति को न्यायालय दोषी सिद्ध न कर दे, तब तक उसे अपराधी नहीं माना जा सकता। इसी तरह किसी भी राजनीतिक नेता को यह अधिकार है कि वह संसद में मुद्दे उठाए, बशर्ते वह संसदीय मयार्दा के भीतर हो। हालांकि राजनीतिक नैतिकता का प्रश्न अलग है। जनता अक्सर यह अपेक्षा करती है कि जनप्रतिनिधि अपने आचरण में संयम रखें, विशेषकर जब वे धार्मिक प्रतीकों या संवेदनशील मुद्दों को उठाते हैं। इस घटना पर लोगों की प्रतिक्रिया एक जैसी नहीं रही। कुछ विपक्ष समर्थकों ने इसे सरकार पर व्यंग्य और जवाबदेही तय करने का प्रयास बताया। वहीं अनेक धार्मिक संगठनों, संतों तथा सामाजिक समूहों ने इसे सनातन परंपराओं और भगवा वस्त्र का राजनीतिक उपहास बताया तथा विरोध दर्ज कराया। सोशल मीडिया पर भी समर्थन और विरोध- दोनों प्रकार की प्रतिक्रियाएँ देखने को मिलीं। कई लोगों का मानना है कि संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच पर इस प्रकार के प्रतीकात्मक प्रदर्शन की बजाय ठोस मुद्दों पर चर्चा होनी चाहिए। वहीं कुछ लोग इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा मानते हैं।

पप्पू यादव का राजनीतिक जीवन संघर्ष, विवाद और लगातार बदलते राजनीतिक समीकरणों का मिश्रण रहा है। उनकी पार्टी जन अधिकार पार्टी बिहार की राजनीति में स्थायी विकल्प नहीं बन सकी, जिसके बाद उन्होंने कांग्रेस के साथ राजनीतिक तालमेल स्थापित किया। जहां तक धार्मिक प्रतीकों के राजनीतिक उपयोग करने का प्रश्न है, लोकतंत्र में विरोध का अधिकार महत्वपूर्ण है, किंतु धार्मिक आस्थाओं का सम्मान भी उतना ही आवश्यक है। यह भी समझना जरूरी है कि किसी एक धर्म को विशेष रूप से भ्रष्टाचार या अनैतिकता से जोड़ना न तो तथ्यात्मक रूप से सही है और न ही सामाजिक सौहार्द के लिए उचित। लोकतांत्रिक विमर्श तब अधिक प्रभावी माना जाता है जब वह तथ्यों, संवैधानिक मयार्दाओं और परस्पर सम्मान के आधार पर आगे बढ़े।

सावन विशेष : भगवान शिव का अद्भुत स्वरूप और उसमें छिपा जीवन-दर्शन

देशभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं का भीड़ उमड़ रही है। हर ओर ₹हर-हर महादेव₹ और ₹बम-बम भोले₹ के जयघोष गूंज रहे हैं। शिवभक्त भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि, आरोग्य और मोक्ष का आशीर्वाद प्राप्त का सावन का महीना केवल जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और व्रत-उपवास तक सीमित नहीं है।

-उदय कुमार सिंह

विगले सर्पों का हार है, वस्त्र व्याघ्र की खाल है।त्रिशूल-डमरूधारी, बाबा भोले भंडारी की महिमा अपरंपार है।

मानव जीवन के समस्त पापों, कष्टों और संतापों का शमन करने वाला पावन सावन मास आरंभ हो चुका है। देशभर के शिवालयों में श्रद्धालुओं का भीड़ उमड़ रही है। हर ओर ₹हर-हर महादेव₹ और ₹बम-बम भोले₹ के जयघोष गूंज रहे हैं। शिवभक्त भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर सुख, समृद्धि, आरोग्य और मोक्ष का आशीर्वाद प्राप्त का सावन का महीना केवल जलाभिषेक, रुद्राभिषेक और व्रत-उपवास तक सीमित नहीं है। यह आत्मशुद्धि, संयम, तप और शिवत्व को अपने जीवन में उतारने का भी अवसर है। इस पूरे महीने आप भी किसी न किसी शिवालय में जाकर भगवान शिव की आराधना कर रहे हैं लेकिन क्या आपने कभी यह जानने का प्रयास किया है कि भगवान शिव का स्वरूप ऐसा क्यों है? उन्होंने अपने शरीर पर जो कुछ धारण किया है, उसका क्या महत्व है? क्या यह केवल पौराणिक अलंकरण है या फिर हर प्रतीक के पीछे कोई गहन आध्यात्मिक संदेश छिपा है? वास्तव में भगवान शिव का स्वरूप जितना अलौकिक दिखाई देता है, उतना ही गूढ़ और दार्शनिक भी है। उनकी विशाल जटाओं से लेकर मस्तक पर सुशोभित चंद्रमा, तीसरे नेत्र, नीलकंठ, गले में लिपटे सर्प, मुंडमाला, त्रिशूल, डमरू, व्याघ्रचर्म, भस्म और नंदी इन सभी का अपना विशिष्ट महत्व है। शिव का प्रत्येक अंग और प्रत्येक आभूषण जीवन को सही दिशा देने वाली शिक्षा प्रदान करता है। क्या वास्तव में भगवान शिव का स्वरूप ऐसा ही था?सनातन परंपरा में शिव को साकार और निराकार दोनों रूपों में स्वीकार किया गया है। वे कण-कण में विद्यमान हैं इसलिए उन्हें किसी एक स्वरूप में सीमित नहीं किया जा सकता। फिर भी आज जो शिव स्वरूप प्रचलित है, वह निराधार नहीं है। पुराणों, वेदों, उपनिषदों और विभिन्न धार्मिक आख्यानों में भगवान शिव के गुण, कर्म और लीलाओं का जो वर्णन मिलता है, उसी के आधार पर कलाकारों और मूर्तिकारों ने उनके स्वरूप की कल्पना की। इसलिए शिव का प्रत्येक प्रतीक उनके व्यक्तित्व और उनके दिव्य संदेश का प्रतिनिधित्व करता है।

जटाएं : अनंत ब्रह्मांड और तप का प्रतीकभगवान शिव की विशाल जटाएं केवल उनके योगी स्वरूप का परिचय नहीं देतीं, बल्कि वे संपूर्ण ब्रह्मांड का भी प्रतीक हैं। जिस प्रकार अंतरिक्ष में असंख्य ग्रह, नक्षत्र, आकाशगंगाएं और तारामंडल विद्यमान हैं, उसी प्रकार शिव की जटाएं अनंत सृष्टि का बोध कराती हैं। इन्हीं जटाओं में मां गंगा का अवतरण हुआ और मस्तक पर चंद्रमा सुशोभित हैं। जटाएं यह भी दशार्ती हैं कि शिव पूर्ण योगी हैं, जिन्होंने सांसारिक आकर्षणों पर विजय प्राप्त कर तप और आत्मसंयम को अपनाया। मां गंगा : करुणा और जीवन का प्रवाहपौराणिक कथा के अनुसार जब मां गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुईं, तब उनके तीव्र वेग को संभालने के लिए भगवान शिव ने उन्हें अपनी जटाओं में धारण किया। यह प्रसंग केवल कथा नहीं बल्कि यह संदेश देता है कि शक्ति तभी कल्याणकारी बनती है जब उस पर संयम का नियंत्रण हो। शिव की जटाओं से प्रवाहित होती गंगा जीवन, पवित्रता, करुणा और लोककल्याण की प्रतीक हैं।

चंद्रमा : शांत और निर्मल मन का प्रतीकसमुद्र मंथन से निकले चौदह रत्नों में चंद्रमा भी एक थे। भगवान शिव ने उन्हें अपने मस्तक पर स्थान दिया। ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा मन का कारक माना जाता है। शिव के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा यह संदेश देता है कि मन सदैव शांत, संतुलित और निर्मल होना चाहिए। परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, स्थिर मन वाला व्यक्ति ही सही निर्णय ले सकता है। त्रिनेत्र : ज्ञान और चेतना का प्रतीकभगवान शिव त्रिनेत्रधारी हैं। उनके तीन नेत्र केवल तीन आंखें नहीं, बल्कि तीन प्रकार की चेतना का प्रतीक हैं। ये तीनों नेत्र भूत, वर्तमान और भविष्य के ज्ञान, सत्त्व, रज और तम तीनों गुणों की समझ तथा स्वर्ग, पृथ्वी और पाताल तीनों लोकों पर दृष्टि का संकेत देते हैं। शिव का तीसरा नेत्र दिव्य ज्ञान का प्रतीक है। जब यह खुलता है तो अज्ञान, अधर्म और अहंकार का अंत हो जाता है।

नीलकंठ : विष को भी स्वीकार करने का साहससमुद्र मंथन के समय निकले कालकूट विष से संपूर्ण सृष्टि संकट में पड़ गई थी। तब भगवान शिव ने संसार की रक्षा के लिए उस विष का पान कर लिया। माता पार्वती ने उसे उनके कंठ से नीचे नहीं उतरने दिया, जिससे उनका कंठ नीला हो गया और वे नीलकंठ कहलाए। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि महान व्यक्ति समाज की पीड़ा स्वयं सह लेते हैं लेकिन उसे दूसरों तक नहीं पहुंचने देते।

सर्पों का हार : नकारात्मक प्रवृत्तियों पर नियंत्रणसर्प सामान्यतः भय, मृत्यु और तमोगुण का प्रतीक माना जाता है। भगवान शिव ने उसे अपने गले का आभूषण बना लिया। इसका अर्थ है कि जिसने अपने भय, क्रोध, मोह और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त कर ली, वही सच्चा योगी है। शिव यह संदेश देते हैं कि मनुष्य को अपनी दुर्बलताओं का दास नहीं बल्कि स्वामी बनना चाहिए।

मुंडमाला : मृत्यु के शाश्वत सत्य का बोधभगवान शिव के गले में सुशोभित मुंडमाला जीवन और मृत्यु के सनातन चक्र का प्रतीक है। एक पौराणिक मान्यता के अनुसार यह देवी शक्ति के अनेक जन्मों का प्रतीक है, जबकि दार्शनिक दृष्टि से यह बताती है कि जन्म और मृत्यु प्रकृति का अटल नियम हैं। शिव मृत्यु के भी स्वामी हैं। इसलिए वे हमें मृत्यु से भयभीत होने के बजाय उसे जीवन का स्वाभाविक सत्य स्वीकार करने की प्रेरणा देते हैं।

त्रिशूल : तीन प्रकार के तापों का नाशभगवान शिव का प्रमुख आयुध त्रिशूल है। इसके तीन फलक दैहिक, दैविक और भौतिक इन तीन प्रकार के तापों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दैहिक अर्थात शरीर और मन के कष्ट, दैविक अर्थात प्राकृतिक अथवा दैवी संकट तथा भौतिक अर्थात सांसारिक दुख। शिव का त्रिशूल इन सभी कष्टों के विनाश का प्रतीक है।

डमरू : सृष्टि के प्रथम नाद का प्रतीकभगवान शिव के हाथ में स्थित डमरू सृष्टि की आदिम ध्वनि का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि डमरू के नाद से महेश्वर सूत्र प्रकट हुए, जिनसे संस्कृत व्याकरण की आधारशिला रखी गई। शिव का तांडव केवल विनाश नहीं बल्कि नवसृजन की भूमिका भी है। जब पुराना समाप्त होता है, तभी नए युग का आरंभ होता है। इसलिए डमरू परिवर्तन, सृजन और जीवन की निरंतरता का प्रतीक है।

व्याघ्रचर्म : शक्ति पर संयम का संदेशभगवान शिव अपने शरीर पर व्याघ्रचर्म धारण करते हैं। बाघ शक्ति, हिंसा और अहंकार का प्रतीक माना जाता है। शिव यह संदेश देते हैं कि शक्ति आवश्यक है, लेकिन उसका उपयोग केवल धर्म और न्याय की रक्षा के लिए होना चाहिए। स्वाभिमान मनुष्य का आभूषण है, परंतु अहंकार उसका सबसे बड़ा शत्रु।

विष्णु सहस्त्रनाम का अचूक पाठ खोलेगा सफलता के द्वार

श्रा विष्णु सहस्त्रनाम भगवान श्रीहरि विष्णु के एक हजार नामों का संग्रह है। जिसको महाभारत के शांति पर्व में बताया गया है। हिंदू धर्म में विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ बेहद पवित्र और फलदायी माना गया है। इसका पाठ करने से न सिर्फ व्यक्ति को आध्यात्मिक शांति मिलती है, बल्कि जीवन में आने वाली हर तरह की बाधा का निवारण होता है। महाभारत में विष्णु सहस्त्रनाम का उल्लेख मिलता है। बता दें कि जब भीष्म पितामह मृत्युशैया पर लेटे थे, तब उन्होंने विष्णु सहस्त्रनाम का महत्व युधिष्ठिर को समझाया था। विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ न सिर्फ आध्यात्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसके जरिए से आत्मा और परमात्मा का मिलन संभव है। भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करने का यह सरल और प्रभावी उपाय है।

महत्व

विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और रोजाना इसका पाठ करने से न सिर्फ विचार बल्कि कर्म भी शुद्ध होते हैं। विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ से मानसिक तनाव और निगेटिविटी दूर होती है। इससे घर में शांति का वातावरण और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। स्व-सहायताऔर प्रेरणादायक शास्त्रों के अनुसार, इसका पाठ करने से स्वास्थ्य लाभ और दीघार्यु प्राप्त होती है। इसके रोजाना पाठ से शारीरिक और मानसिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। हिंदू धर्म में भगवान श्रीहरि को सृष्टि का पालनहार माना गया है। विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से भगवान विष्णु की कृपा से जीवन में धन, समृद्धि और सौभाग्य का आगमन होता है।

जो भी व्यक्ति विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ करता है, उसको जीवन-मरण के बंधन से मुक्ति मिलती है। इससे मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

नियम

धार्मिक शास्त्रों में विष्णु सहस्त्रनाम के पाठ के विशेष नियम बताए गए हैं। इन नियमों का पालन करने से पाठ का प्रभाव ज्यादा होता है।

विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करने से पहले स्नान कर लें और साफ कपड़े पहनें। क्योंकि मन और शरीर दोनों की पवित्रता जरूरी है। सुबह के समय विष्णु सहस्त्रनाम का पाठ करना सबसे अच्छा माना गया है। इसको शांत और स्वच्छ स्थान पर बैठकर करें। अगर संभव हो तो भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र के सामने बैठकर इसका पाठ करें। विष्णु सहस्त्रनाम पाठ शुरू करने से पहले श्रीहरि का ध्यान करते हुए मन में संकल्प लें। पाठ करते समय मंत्रों का उच्चारण शुद्ध और स्पष्ट होना चाहिए।

टिप्स

घर पर बनाएं रसीले आम से मैंगो पेडा

गर्मियों के मौसम में आम खाना भला किसे नहीं पसंद होता है। वहीं आम से एक से बढ़कर एक पकवान बनाए जाते हैं। कच्चे आम की खट्टी-मीठी चटनी, आमरस, कुल्फी और मैंगो शेक आदि का अपना ही मजा है। लेकिन यह सभी बहुत कॉमन डिशेज हैं। जोकि अक्सर आम के सीजन में बनाई जाती है। लेकिन क्या आपने कभी आम का पेड़ा खाया है। बता दें कि आप भी आम का पेड़ा बना सकते हैं, जिसको मैंगो पेड़ा भी कहा जाता है। आपको बता दें कि आम के पेड़े बहुत कम सामग्री में घर पर आसानी से बनाए जा सकते हैं। वहीं इसका स्वाद इतना लाजवाब होता है कि यह हर किसी को बहुत पसंद आता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मैंगो पेड़ा बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

सामग्री
पके आम का पल्प- 1 कप
चीनी- 1/2 कप
मावा/खोया- 1.5 कप
घी- 1 से 2 बड़े चम्मच
इलायची पाउडर- 1/2 छोटा चम्मच
पिस्ता और बादाम- बारीक कटे हुए
केसर के धागे- 6-7

ऐसे बनाएं मैंगो पेड़ा
सबसे पहले अच्छे और पके हुए आमों को छीलकर इनको टुकड़ों में काट लें। फिर मिक्सी में पीसकर एक स्मूथ प्यूरी बनाएं। ध्यान रखें कि इस प्रोसेस में पानी का इस्तेमाल नहीं करना है।
इसके बाद भारी तले की कड़ाही में एक चम्मच घी गर्म करें। फिर इसमें आम की प्यूरी और चीनी डालें। इसको लगातार मीडियम आंच पर चलाते हुए तब तक पकाएं। जब तक कि चीनी पूरी तरह से घुल न जाए और पल्प थोड़ा सा गाढ़ा न हो जाए।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य लाभुकों तक बिना किसी बाधा के लाभ पहुंचाना है : शबनम परवीन

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पोषण आहार वितरण की समीक्षा शिकायतों के समयबद्ध निष्पादन के दिए निर्देश

संवाददाता

साहिबगंजःराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति एवं प्राप्त जन शिकायतों की समीक्षा को लेकर झारखंड राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष -सह-सदस्या श्रीमती शबनम परवीन की अध्यक्षता में साहिबगंज परिसदन में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिला अंतर्गत खाद्य आपूर्ति समाज कल्याण कल्याण एवं अन्य संबंधित विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।आयोग को प्राप्त शिकायतों पर गंभीरता से विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करते हुए 15 दिनों के भीतर अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराया जाए। जिसमें संबोधित करते हुए श्रीमती शबनम परवीन ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक समय पर एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न और अन्य निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध कराना है। यदि किसी स्तर पर शिकायतें प्राप्त होती हैं तो संबंधित विभागों की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि उनका त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न हो।समीक्षा बैठक से पूर्व प्रभारी अध्यक्ष सह सदस्या ने राजमहल प्रखंड के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों को उपलब्ध कराए जा रहे पूरक पोषण आहार, केंद्रों की साफ-सफाई एवं रख-रखाव कार्यकताओं की उपस्थिति व अभिलेखों के संधारण का अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में जहां आवश्यक सुधार की आवश्यकता पाई गई। वहां संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसके उपरांत उन्होंने राजमहल प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों का भी निरीक्षण किया । मध्याह्न भोजन एमडीएम की गुणवत्ता स्वच्छता व निर्धारित मानकों के अनुरूप भोजन तैयार किए जाने की व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधारात्मक निर्देश भी दिए गए।श्रीमती परवीन ने कहा कि सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य पात्र लाभुकों तक बिना किसी बाधा के योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए लाभुकों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।झारखंड राज्य खाद्य आयोग की प्रभारी अध्यक्ष -सह-सदस्या श्रीमती शबनम परवीन सदर अस्पताल में स्थित कुपोषण उपचार केंद्र और विभिन्न जन वितरण दुकानों का भी निरीक्षण किया जबकि निर्देश दिया गया कि लाभुकों को ससमय सही मात्रा में अनाज उपलब्ध कराया जाए।बैठक में अपर उपायुक्त विजय कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक उर्मिला हांसदा, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सभी प्रखंडों के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

उधवा में चला सघन वाहन जांच अभियान

बिना हेलमेट और दस्तावेज के चलने वालों पर हुई कार्रवाई

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: सड़क सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन के निर्देश पर बुधवार को उधवा-बरहरवा मुख्य मार्ग स्थित मोहनपुर टावर चौक के समीप परिवहन विभाग एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने सघन वाहन जांच अभियान चलाया। अभियान के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चला रहे चालकों, आवश्यक दस्तावेज नहीं रखने वाले वाहन स्वामियों तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले चारपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए चालान काटा गया और निर्धारित जुमार्ना वसूला गया। जांच अभियान के दौरान वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन का निबंधन प्रमाणपत्र (आरसी), बीमा, प्रदूषण प्रमाणपत्र (पीयूसी) सहित अन्य आवश्यक कागजातों की भी जांच की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेगा।आईटी सहायक राज हंस ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली अधिकांश मौतों का प्रमुख कारण हेलमेट का उपयोग नहीं करना है। यदि दोपहिया वाहन चालक हमेशा हेलमेट पहनकर वाहन चलाएं, तो गंभीर हादसों में जान बचाई जा सकती है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे सभी आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें तथा यातायात नियमों का पालन करें।अभियान के दौरान केवल कार्रवाई ही नहीं, बल्कि लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया गया। अधिकारियों ने कहा कि थोड़ी-सी सावधानी बड़ी दुर्घटनाओं से बचा सकती है, इसलिए दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का उपयोग और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य रूप से अपनाएं।

मानसून जनित बीमारियों से निपटने की तैयारी तेज, स्वास्थ्य विभाग की टास्क फोर्स ने बनाई रणनीति

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में फॉगिंग टीकाकरण और दवा उपलब्धता पर विशेष जोर

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : मानसून के दौरान संभावित आपदा एवं मौसमी बीमारियों की रोकथाम को लेकर बुधवार को उधवा प्रखंड कार्यालय सभागार में प्रखंड स्तरीय स्वास्थ्य टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी ने की। इसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. गुफरान आलम समेत स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मानसून के दौरान उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य चुनौतियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बीडीओ ने निर्देश दिया कि संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में डायरिया मलेरिया डेंगू समेत जलजनित एवं मच्छरजनित रोगों की रोक थाम के लिए पहले से प्रभावी तैयारी सुनिश्चित की जाए।जल-जमाव वाले इलाकों में नियमित फॉगिंग कीटनाशक दवाओं का छिड़काव तथा साफ-सफाई अभियान चलाकर संक्रमण फैलने की आशंका को कम करने पर विशेष बल दिया गया। समीक्षा के दौरान गर्भवती महिलाओं व बच्चों के टीकाकरण कार्यक्रम की प्रगति पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि टीकाकरण से संबंधित सभी विवरण यू-विन पोर्टल पर निर्धारित समय के भीतर अपलोड किए जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाए। साथ ही नियमित टीकाकरण अभियान को और प्रभावी बनाने, छूटे हुए बच्चों की पहचान कर उन्हें समय पर टीका उपलब्ध कराने तथा आगामी पल्स पोलियो अभियान की तैयारियां पूरी रखने का निर्देश दिया गया।बैठक में आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्वास्थ्य उपकेंद्रों आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने रजिस्टर को नियमित रूप से अद्यतन रखने तथा मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया गया। बीडीओ ने कहा कि मानसून के दौरान स्वास्थ्य विभाग को पूरी सतर्कता के साथ कार्य करना होगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। बैठक में सब डिविजनल स्कूल स्वास्थ्य संस्थान विनोद शर्मा, डब्ल्यूएचओ प्रतिनिधि पवन रविदास, रवि कुमार, एलटी अतुल कुमार, सुशीला हेंब्रम, बीपीएम अनिल पाल सहित स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री ने पुत्र यशराज का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

संवाददाता

साहिबगंजःभाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने अपने पुत्र यशराज का जन्मदिन नेत्रहीन आवसीय विद्यालय,वृद्ध आश्रम एवं मुकवधीर विद्यालय मे बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाया।इस अवसर पर परिवार,रिश्तेदारों मित्रों,शुभचिंतकों एवं गणमान्य लोगों की उपस्थिति ने समारोह को यादगार बना दिया।समारोह स्थल को आकर्षक ढंग से फूलों,रंग-बिरंगे गुब्बारों एवं मनमोहक सजावट से सजाया गया था।यशराज ने केक काटकर जन्मदिन समारोह का शुभारंभ किया,जिसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने उन्हें पुष्पगुच्छ एवं उपहार भेंट कर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य,उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु की कामना की।इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने कहा,₹बच्चे परिवार, समाज और राष्ट्र का भविष्य होते हैं। उनका जन्मदिन केवल एक पारिवारिक उत्सव नहीं,बल्कि उनके उज्ज्वल जीवन,संस्कार और बेहतर भविष्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना करने का एक शुभ अवसर भी है।उन्होंने कहा कि आज मुझे अत्यंत प्रसन्नता है कि इस खुशी के अवसर पर हमारे परिवार के साथ इतने आत्मीयजन, मित्र एवं शुभचिंतक उपस्थित होकर अपना स्नेह और आशीर्वाद प्रदान कर रहे हैं।मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि यशराज सदैव स्वस्थ,संस्कारी, कर्मशील एवं राष्ट्रसेवा की भावना से प्रेरित होकर समाज और देश का नाम रोशन करे।आप सभी का प्रेम, स्नेह और आशीर्वाद ही हमारे परिवार की सबसे बड़ी पूंजी है।मैं इस शुभ अवसर पर पधारे सभी सम्मानित अतिथियों का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूँ और आप सभी के उज्ज्वल,स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना करता

मां का दूध शिशु के लिए संपूर्ण एवं सर्वोत्तम आहार : सिविल सर्जन

संवाददाता

साहिबगंज: वश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर सदर अस्पताल साहिबगंज में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सिविल सर्जन साहिबगंज व जिला आरसीएच पदाधिकारी डॉ. किरण माला डॉ. देवेश और डॉ. फरोग हसन द्वारा संयुक्त रूप से पौधों में जल अर्पित कर किया गया। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह एक अगस्त से सात अगस्त तक मनाया जा रहा है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को स्तनपान कराना और पहले छह माह तक केवल माँ का दूध देना शिशु के बेहतर शारीरिक व मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही छह माह के बाद उपयुक्त पूरक आहार के साथ दो वर्ष अथवा उससे अधिक समय तक स्तनपान जारी रखने की सलाह दी गई।डॉ. फरोग हसन ने स्तनपान के वैज्ञानिक एवं चिकित्सीय महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि माँ का दूध शिशु के लिए संपूर्ण एवं सर्वोत्तम आहार है, जो उसे संक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करता है। डॉ. देवेश ने गर्भवती व धात्री माताओं की नियमित परामर्श सेवाओं को सुदृढ़ करने स्तनपान संबंधी भ्रांतियों को दूर करने पर बल दिया।सिविल सर्जन साहिबगंज ने अपने संबोधन में कहा कि स्तनपान केवल शिशु के पोषण का माध्यम नहीं बल्कि उसके स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य संस्थानों एएनएम सीएचओ एमपीडब्ल्यू सहिया एवं स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देशित किया कि वे प्रत्येक गर्भवती एवं धात्री महिला को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करें तथा जन्म के प्रथम घंटे में स्तनपान प्रारंभ कराने व पहले छह माह तक केवल माँ का दूध पिलाने के संदेश को जन-जन तक पहुँचाएं। इस कार्यक्रम में डॉ. स्नेहलता डीडीएम अमित कच्छप तौसीफ अहमद राजीव अभय *मुनि जी पाण्डेय दिवाकर सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त में सहिया, मरीजों के परिजन एवं आमजन ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।कार्यक्रम में मातृ स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोगी संस्था के प्रतिनिधियों की भी सक्रिय सहभागिता रही। संस्था के प्रतिनिधियों ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने तथा स्तनपान संबंधी जागरूकता गतिविधियों में स्वास्थ्य विभाग के साथ सहयोग प्रदान किया।

महादेवगंज श्रीराम चौकी गांव की मिट्टी से निकलकर जेईई एडवांस तक का शानदार सफर

संवाददाता

साहिबगंजः-जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवगंज स्थित श्रीराम चौकी गांव के होनहार छात्र अभिनव कुमार ने अपनी मेहनत,लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर वह मुकाम हासिल किया है,जिसका सपना लाखों छात्र देखते हैं।जहां साधारण पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाले अभिनव ने कठिन परिश्रम के दम पर जेईई मेन्स और जेईई एडवांस जैसी देश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर आज आईआईटी मंडी (हिमाचल प्रदेश) में इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहे हैं।वहीअभिनव की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे महादेवगंज, साहिबगंज जिले और झारखंड का नाम रौशन किया है।वही अभिनव की सफलता ग्रामीण क्षेत्रों के उन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है,जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का साहस रखते हैं।वही अभिनव अपनी सफलता का श्रेय अपने पिता माता-पिता का अटूट विश्वास,निरंतर प्रोत्साहन और शिक्षकों का मार्गदर्शन ही उनकी सफलता की सबसे बड़ी ताकत रहा।आगे उन्होंने बताया कि नियमित अध्ययन, समय का सही प्रबंधन और लक्ष्य के प्रति समर्पण ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया।जहां ग्रामीण परिवेश से निकलकर देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थान आईआईटी में प्रवेश पाने वाले अभिनव आज क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। वही उनकी सफलता यह साबित करती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो किसी भी परिस्थिति में सफलता हासिल की जा सकती है।उधर अभिनव की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के बुद्धिजीवियों,शिक्षकों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।जहां लोगों का कहना है कि अभिनव जैसे प्रतिभाशाली युवा समाज के लिए प्रेरणा हैं और आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा के प्रति जागरूक करने में उनकी सफलता महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।वही आपको बता दें कि अभिनव कुमार की प्रारंभिक शिक्षा केंद्रीय विद्यालय साहिबगंज से मैट्रिक की परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण करने के बाद राजस्थान इंटर विद्यालय से आईएससी की परीक्षा प्रथम श्रेणी से पास की और जेईई मेंस व एडवांस की परीक्षा में शामिल हुए।उधर अभिनव कुमार की इस सफलता में केंद्रीय विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य पीके मिश्रा,कोचिंग शिक्षक सोनू सर, आर के पटेल का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।जहां इस उपलब्धि को लेकर बधाई देने वालों में दादी विमला देवी, चाचा बब्बन यादव,हरेराम यादव,दोस्त नंदराय यादव,अरुण कुमार मोदी,अमित भगत,मामा मुकेश कुमार यादव समेत परिवार के अन्य सदस्य व गांव के लोगों में काफी खुशी का माहौल है।

न्यूज IN ब्रीफ

पारिवारिक विवाद में दोनों पक्षों ने दर्ज कराई प्राथमिकी नगर थाना में केस दर्ज

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के एलसी रोड में जीजा-साला के बीच हुए विवाद ने कानूनी रूप ले लिया है मामले में दोनों पक्षों की ओर से नगर थाना में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कराई गई है पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है पहले पक्ष के मोहम्मद कासिम अंसारी पिता- यासीन अंसारी निवासी एलसी रोड ने आरोप लगाया है कि उनके साला मोहम्मद आलमगीर उर्फ राजन, मोहम्मद जहागीर, मोहम्मद समीम, मोहम्मद परवेज, मोहम्मद शब्बीर, साकिर, अब्दुल जब्बार और सैयद सहित अन्य ने उनके साथ गाली-गलौज और मारपीट की उनके आवेदन के आधार पर नगर थाना कांड संख्या 140/26 दर्ज किया गया है वहीं दूसरे पक्ष की ओर से रिजवी परवीन ने मोहम्मद कासिम अंसारी, रूबी परवीन सहित अन्य के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई है। इस मामले में नगर थाना कांड संख्या 141/26 दर्ज किया गया है दूसरे पक्ष के मोहम्मद आलमगीर उर्फ राजन ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि उनके जीजा मोहम्मद कासिम अंसारी रोज शराब के नशे में घर पहुंचकर हंगामा करते हैं और उनकी बहन के साथ मारपीट करते हैं, जिससे परिवार में लगातार विवाद की स्थिति बनी रहती है नगर थाना पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है पुलिस का कहना है कि जांच के बाद साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिरवाबाड़ी में विवाहिता की मौत, दहेज ,हत्या का केस दर्ज पति गिरफ्तार

साहिबगंज: जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के बड़ा पंचगढ़ गांव में 25 वर्षीय विवाहिता निशा कुमारी की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में पुलिस ने दहेज हत्या का मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है मृतका के पिता संजय कुमार मिश्रा के बयान पर जिरवाबाड़ी थाना में कांड संख्या 141/26 दर्ज किया गया है। मामले में आरोपी पति सुमित पाठक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि शादी के बाद से ही निशा कुमारी को दहेज की मांग को लेकर लगातार प्रताड़ित किया जाता था। आरोप है कि दहेज नहीं मिलने पर उसके साथ मारपीट और मानसिक उत्पीड़न किया जाता था तथा इसी कारण उसकी हत्या कर दी गई।दर्ज प्राथमिकी में पति सुमित पाठक के अलावा उसके भाई, बहन, सास और जीजा को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस सभी आरोपों की जांच कर रही है। गौरतलब है कि घटना के बाद ससुराल पक्ष ने पुलिस को बताया था कि निशा कुमारी बाथरूम से निकलते समय फिसल गई थी। जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया था।जिरवाबाड़ी थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि मृतका के पिता के आवेदन पर कांड संख्या 141/26 दर्ज कर ली गई है। आरोपी पति सुमित पाठक को गिरफ्तार कर लिया गया है।जबकि नामजद अन्य आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की सभी पहलुओं से जांच में जुटी है।

मंथन साहिबगंज के रेलकर्मियों ने भी रखीं समस्याएं

साहिबगंज : पूर्व रेलवे, मालदा मंडल के जमालपुर ब्रांच में जनरल मीटिंग एवं ब्रांच कन्वेंशन का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरूआत केंद्रीय वर्किंग कमिटी के कामरेड आर.आर. भगत ने की बैठक में कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं और लंबित मांगों पर विस्तार से चर्चा हुई विशेष रूप से कर्मचारियों के बुढ़ापे की सुरक्षा के लिए ओल्ड पेंशन योजना ओपीएस लागू करने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। जोनल सचिव कामरेड जे.के. मंडल ने लोको रनिंग स्टाफ की समस्याओं को रखते हुए कहा कि कर्मचारियों को 46 घंटे का साप्ताहिक विश्राम पीआर लगातार दो नाइट ड्यूटी के बाद पर्याप्त नाइट रेस्ट, ड्यूटी अवधि नौ घंटे से अधिक नहीं रखने तथा 36 घंटे के भीतर मुख्यालय हेडक्वार्टर वापसी सुनिश्चित की जानी चाहिए। बैठक में रनिंग स्टाफ को हेड ब्रेक से मुक्ति दिलाने, माइक्रो स्लिप के कारण होने वाली सिग्नल पासिंग एट डेंजर एसपीएडी जैसी गंभीर घटनाओं की रोकथाम तथा समय पर अवकाश उपलब्ध कराने की मांग भी उठाई गई।वक्ताओं ने कहा कि समय पर छुट्टी नहीं मिलने से कर्मचारियों के पारिवारिक जीवन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए संगठनात्मक स्तर पर ठोस पहल करने पर जोर दिया गया।बैठक में साहिबगंज के रेलकर्मियों ने भी सक्रिय भागीदारी की। उन्होंने अपने कार्यस्थल से जुड़ी समस्याओं, ड्यूटी के दौरान आने वाली कठिनाइयों और कर्मचारियों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को मंच पर रखते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। कार्यक्रम में मालदा मंडल की चारों लॉबी के अध्यक्ष, सचिव तथा बड़ी संख्या में रेल कर्मचारी और संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

साहिबगंज कॉलेज एक शिक्षण संस्थान नहीं बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है : प्राचार्य

साहिबगंज: साहिबगंज कॉलेज के पूर्ववर्ती छात्र ओमप्रकाश तिवारी के नेतृत्व में कई छात्रों ने कॉलेज के नवनियुक्त प्रभारी प्राचार्य डॉ.रंजीत कुमार सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर नई जिम्मेदारी के लिएशुभकामनाएं दीं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।इस मौके पर ओम प्रकाश तिवारी ने कहा कि डॉ.रंजीत कुमार सिंह का साहिबगंज कॉलेज से विशेष जुड़ाव रहा है।जहां वे इसी कॉलेज के पूर्व छात्र रह चुके हैं और बाद में यहीं सहायक प्रोफेसर के रूप में भी अपनी महत्वपूर्ण सेवाएं दे चुके हैं।उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में उन्हें मॉडल कॉलेज राजमहल का प्राचार्य नियुक्त किया गया था।जहां इसके पश्चात अब उन्हें साहिबगंज कॉलेज का प्रभारी प्राचार्य बनाए जाने पर कॉलेज परिवार एवं पूर्ववर्ती छात्रों में खुशी और उत्साह का माहौल है।सम्मान समारोह के दौरान पूर्व छात्रों ने कहा कि डॉ.सिंह की शैक्षणिक क्षमता प्रशासनिक अनुभव और कॉलेज के प्रति उनकी आत्मीयता संस्थान के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में साहिबगंज कॉलेज नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा व शिक्षा,अनुशासन और शैक्षणिक गुणवत्ता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति करेगा।मौके पर इस अवसर पर डॉ.रंजीत कुमार सिंह ने पूर्ववर्ती छात्रों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि साहिबगंज कॉलेज उनके लिए केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ परिवार है।उन्होंने कॉलेज के समग्र विकास,गुणवत्तापूर्ण शिक्षा,बेहतर शैक्षणिक वातावरण तथा छात्र-हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का भरोसा दिलाया।

साई पल्लवी की सादगी की मुरीद हैं निहारिका एनएम

सोशल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन की दुनिया से फिल्मों तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री निहारिका एनएम ने अभिनेत्री साई पल्लवी को अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस बताया। उन्होंने कहा कि साई पल्लवी की सादगी, शानदार अभिनय और व्यक्तित्व उन्हें हमेशा प्रेरित करता है। आईएएनएस से खास बातचीत में निहारिका एनएम ने कहा, ''साई पल्लवी उन अभिनेत्रियों में से हैं, जिन्हें मैं लंबे समय से पसंद करती हूं। उनकी सादगी, खूबसूरती और अपने काम के प्रति समर्पण उन्हें सबसे अलग बनाता है। वह मुझे हमेशा प्रेरित करती हैं।'' निहारिका ने कहा, 'साई पल्लवी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि उन्होंने बिना किसी बनावटी छवि के दर्शकों के दिलों में जगह बनाई है और यही बात मुझे बेहद पसंद आती है। मेरा मानना है कि आज के समय में ऐसे कलाकार बहुत कम हैं जो अपनी सादगी और स्वाभाविक अंदाज से लोगों का दिल जीतते हैं।

' साई पल्लवी के अलावा निहारिका ने बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने तब्बू को सदाबहार कलाकार बताते हुए कहा, ''वह आज भी अपनी अभिनय क्षमता से हर किरदार में जान डाल देती हैं। उनकी एक्टिंग और डांस दोनों ही शानदार हैं और वह हर पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा हैं। श्रीदेवी भी भारतीय सिनेमा की सबसे बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक रहीं।'' बातचीत के दौरान निहारिका ने अपनी नई फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' के बारे में भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''इस फिल्म से जुड़ने का सबसे बड़ा कारण इसकी कहानी थी। जब मैंने पहली बार फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह काफी मजेदार लगी। मैंने महसूस किया कि यह ऐसी फिल्म है, जिसे मैं खुद भी एक दर्शक के रूप में देखना पसंद करूंगी। इसलिए मैंने इस प्रोजेक्ट के लिए हां कह दी।'' फिल्म में अभिनेता और डांसर राघव जुयाल के साथ काम करने के अनुभव को याद करते हुए निहारिका ने कहा, ''राघव के साथ काम करना ऑनस्क्रीन और ऑफस्क्रीन दोनों ही जगह बहुत मजेदार रहा। जो सीन पर्दे पर दो-तीन सेकेंड का दिखाई देता है, उसे शूट करने में कई घंटे लग जाते हैं। ऐसे में उनकी एनर्जी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है।''

जेन-जी प्रोटेस्ट पर तनुश्री दत्ता बोलीं-

देश की लीडरशिप को काम करने दीजिए

राष्ट्रीय सुरक्षा पर ध्यान देना जरूरी

अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने शनिवार को सोशल मीडिया के जरिए जेन-जी प्रोटेस्ट पर अपने विचार व्यक्त किए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर नेशनल सिक्योरिटी और बॉर्डर के मुद्दों पर ज्यादा ध्यान देने की अपील की। साथ ही जेन जी से अपना गुस्सा जिम्मेदारी से जाहिर करने की अपील की। वीडियो में तनुश्री दत्ता कहती हैं, 'फिलहाल, देश के किसी भी बड़े अधिकारी का इस्तीफा देश के लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। हम चारों ओर से घिरे हुए हैं। हर तरफ बॉर्डर पर तनाव है, खासकर बांग्लादेश बॉर्डर और चीन पर। हालांकि, बांग्लादेश बॉर्डर पूरी तरह से सील नहीं हुआ है, क्योंकि वहां जो कुछ भी हो रहा था, वो रुकने लगा है। इसलिए थोड़ा विरोध तो होगा ही। पीएम मोदी और अमित शाह ने मिलकर बांग्लादेश बॉर्डर सील किया था, उसके बाद ये सारे मुद्दे सामने आए। मैं ये नहीं कह रही कि छात्र आंदोलन की कोई वजह नहीं थी, लेकिन वो हल हो चुका है। मुख्य मुद्दा सुलझ गया है। समाधान निकल चुका है।' तनुश्री ने कहा, 'इस समय एक नए व्यक्ति पर भरोसा करना मुश्किल है। कौन जाने बॉर्डर का मुद्दा कहां से शुरू हो जाए। लोगों को समझना चाहिए कि अभी बदलाव का समय नहीं है, जहां जिसकी ड्यूटी लगी है उसे वहीं अपना काम करने दीजिए क्योंकि कमान संभालना दो दिन का काम नहीं होता। अभी इसे बदलने का मतलब है अपने देश को बॉर्डर के मामले में कमजोर करना। देश के दुश्मन चाहते हैं कि हम बॉर्डर के मामले में कमजोर हों। पेपर लीक की वजह से जेन जी का गुस्सा जायज भी है, लेकिन अब उस मुद्दे को सुलझाया जा रहा है। लीडरशिप काम कर रही है तो फिर अभी मामले को क्यों बढ़ाया जाए? मामला इसलिए बढ़ रहा है, क्योंकि जो बॉर्डर क्रॉसिंग हो रही थी वो अब बंद हो गई है तो जिन्होंने इसे बंद किया है, क्या उनके खिलाफ कार्रवाई होगी? '

शुभांगी ने सुनाया डराने वाला किस्सा

'स्कूल डेज में पीछा करता था एक लड़का'

'भाबीजी घर पर हैं!' फेम शुभांगी अत्रे ने अपने स्कूल के दिनों का दर्दनाक अनुभव साझा किया। एक शख्स उनके पीछे पड़ गया था और लगातार उनका पीछा करता था। टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री शुभांगी अत्रे, जिन्हें दर्शक 'भाबीजी घर पर हैं!' में अंगूरी भाभी के किरदार के लिए जानते हैं, ने हाल ही में अपनी जिंदगी का एक ऐसा किस्सा साझा किया, जिसे याद कर आज भी वह सिहर उठती हैं। अभिनेत्री ने बताया कि किशोरावस्था के दौरान एक शख्स उनका लगातार पीछा करता था। इतना ही नहीं, वह सार्वजनिक जगहों पर उनका नाम अपने नाम के साथ लिखकर उन्हें परेशान करता था। इस घटना ने न सिर्फ शुभांगी बल्कि उनके पूरे परिवार को डरा दिया था। एक बातचीत के दौरान शुभांगी अत्रे ने बताया कि यह घटना उस समय की है जब वह इंदौर में 10वीं और 11वीं कक्षा की पढ़ाई कर रही थीं। उस दौरान एक युवक उन्हें लगातार परेशान करता था। वह सड़कों और उनके घर के आसपास की दीवारों पर अपना और शुभांगी का नाम साथ में लिख देता था। अभिनेत्री ने बताया कि हर बार जब उनके घर का दरवाजा खुलता था, सामने की दीवार पर वही नाम लिखा दिखाई देता था। यह सब उनके और उनके परिवार

बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे

Elvish Yadav

टाइगर श्रॉफ के साथ एक्शन फिल्म में आएंगे नजर

एल्विश यादव ने अपने करियर की शुरुआत एक यूट्यूबर और कंटेंट क्रिएटर के तौर पर की थी। बाद में वो कई रियलिटी शो में भी नजर आए जिसके बाद वे घर-घर में पहचाने जाने लगे। एल्विश ने पिछले साल वेब शो 'औकात के बाहर' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। अब खबर आ रही है कि वे बहुत जल्द बॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं। टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे के पति विक्की जैन ने अपने प्रोडक्शन हाउस 'ड्रुक्छ फ्रेम्स' का ऐलान किया है। उनकी पहली फिल्म में टाइगर श्रॉफ, अभिषेक बनर्जी और एल्विश नजर आएंगे। बिना नाम वाली इस फिल्म को रेमो डिसूजा डायरेक्ट करेंगे।

कब से शुरू होगी शूटिंग?

असल में, यह सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक एक्शन फ्रैंचाइजी होगी। तरण आदर्श ने एक ट्वीट के जरिए इसकी जानकारी दी। वहीं एल्विस के फैन्स उनके बॉलीवुड डेब्यू को लेकर बहुत उत्साहित हैं। एक फैन ने ट्वीट किया, 'बहुत एक्साइटेड हूं और आप पर गर्व है एल्विश यादव, पिछले 10-12 सालों में आपने जो लगन और कड़ी मेहनत दिखाई है, उसका फल अब आखिरकार मिल रहा है।'

कॉकटेल 2 की ओटीटी रिलीज डेट हुई कन्फर्म

शाहिद कृति रश्मिका की फिल्म नेटफ्लिक्स पर

बॉलीवुड में इस समय लव स्टोरी का दौर चल रहा है। सैयारा के बाद से कई ऐसी बॉलीवुड फिल्में रिलीज हुई जिन्होंने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। हाल ही में रिलीज हुई रोमांटिक लव स्टोरी, मुसाफिर कैफे को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है।

छठी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म

कॉकटेल 2 को होमी अदजानिया ने डायरेक्ट किया है और लव रंजन और तरुण जैन ने मिलकर इसकी कहानी लिखी है। यह साल 2012 में आई 'कॉकटेल' का स्पिरिचुअल सीक्वल है, जिसमें सैफ अली खान, दीपिका पादुकोण और डायना पेंटी मुख्य भूमिकाओं में थे। 'कॉकटेल 2' 19 जून, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसे क्रिटिक्स से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली और यह 2026 की छठी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी।

किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज?

ओटीटी प्लेटफॉर्म की बात करें तो यह फिल्म 14 अगस्त, 2026 को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। 'कॉकटेल 2', 2012 की हिट फिल्म 'कॉकटेल' की सीधी अगली कड़ी जिसे हम सीक्वल कहते हैं वो नहीं, बल्कि एक नई कहानी है। यह फिल्म आधुनिक रिश्तों, दोस्ती, प्यार और भावनात्मक उलझनों को दिखाती है, साथ ही उस युवा जोश और अंदाज को भी बनाए रखती है जिसने ओरिजिनल फिल्म को दर्शकों का पसंदीदा बनाया था।

तन्वी शर्मा कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में, अब रक्षिता रामराज से होगी भिड़ंत

एजेंसी

आसन (दक्षिण कोरिया) : भारत की 17 वर्षीय उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कोरिया मास्टर्स 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। गुरुवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में तन्वी ने हमवतन श्रियांशी वालिशेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रक्षिता श्री रामराज से होगा, जिन्होंने जापान की मानामी सुइज़ू को 22-20, 21-10 से मात दी। पिछले सप्ताह ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली 17 वर्षीय तन्वी ने एक बार फिर अपने जुझारू खेल का

परिचय दिया। इस महीने भारत में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप से पहले उन्होंने लगातार जीत का सिलसिला जारी रखते हुए अपनी दावेदारी मजबूत की। ऑल इंडिया मुकाबले के पहले गेम में तन्वी की शुरूआत अच्छी नहीं रही और वह शुरूआती अंकों में पिछड़ गईं। हालांकि, तेज मूवमेंट और आक्रामक स्ट्रोक्स के दम पर उन्होंने शानदार वापसी की और लगातार महत्वपूर्ण अंक हासिल करते हुए पहला गेम 21-16 से अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में श्रियांशी वालिशेट्टी ने दमदार वापसी की। उन्होंने मध्यांतर तक 11-6 की बढ़त बना ली और लगातार आक्रामक खेल दिखाया। तन्वी ने बीच में अंतर कम करने की कोशिश की, लेकिन श्रियांशी ने संयम बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-17 से जीतकर मुकाबले को निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। निर्णायक गेम में तन्वी पूरी तरह हावी रहीं। उन्होंने शुरूआत से ही बढ़त बनाई और पूरे गेम में श्रियांशी को वापसी का मौका नहीं दिया। विश्व रैंकिंग में 30वें स्थान पर काबिज तन्वी ने शानदार नियंत्रण बनाए रखते हुए तीसरा गेम 21-13 से जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले नेटफ्लिक्स के को-सीईओ टेड सारंडोस, मनोरंजन क्षेत्र की संभावनाओं पर की चर्चा

एजेंसी

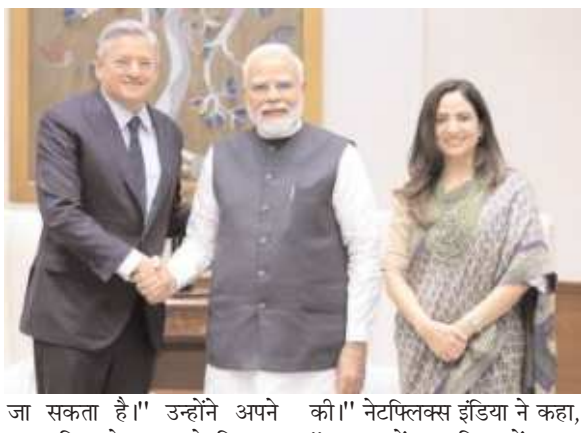

नई दिल्ली : देश में नेटफ्लिक्स के 10 वर्ष पूरे होने का जश्न शुरू हो गया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर नेटफ्लिक्स के सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी (को-सीईओ) टेड सारंडोस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुलाकात पर खुशी जताते हुए बुधवार देररात शब्द चित्र को एक्स पर साझा किया। दोनों के बीच मनोरंजन के वैश्विक आयामों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, " टेड सारंडोस से मिलकर खुशी हुई। भारत के मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। भारत में कहानी कहने की एक समृद्ध परंपरा और रचनात्मक प्रतिभा का एक असाधारण भंडार है। इसका लाभ उठाकर सामग्री निर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में देश की स्थिति को मजबूत किया जा सकता है।" उन्होंने अपने शब्द चित्र के साथ नेटफ्लिक्स इंडिया की पोस्ट भी साझा की। इसमें कहा गया, " भारत में नेटफ्लिक्स के 10 साल पूरे होने का जश्न! हमारे को-सीईओ टेड सारंडोस का माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मिलना सम्मान की बात रही। उन्होंने भारत के मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को ग्लोबल स्तर पर ले जाने के अपने साझा दृष्टिकोण पर चर्चा की।" नेटफ्लिक्स इंडिया ने कहा, " भारत में इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए नेटफ्लिक्स इंडिया स्टोरीटेलिंग इनिशिएटिव की शुरूआत की गई है। यह एक ऐसा मंच है जो भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) और राष्ट्रीय फि ल्म विकास निगम (एनएफडीसी) के साथ स्किलिंग और एजुकेशन पार्टनरशिप के जरिए भारत के क्रिएटिव टैलेंट की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।"

प्रधानमंत्री मोदी ने सुभाषितम में धरती माता के सद्गुणों को याद कर सेवा का संकल्प लिया

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज प्रातः एक्स पोस्ट में धरती माता के सद्गुणों को याद करते हुए उनकी सेवा करने का संकल्प लिया। उन्होंने सुभाषितम साझा करते हुए कहा कि पृथ्वी माता की गोद में सभी प्रकार की वनस्पतियां और औषधियां पुष्पित और पल्लवित होती हैं। वह सुभाषितम है, "विश्वस्वं मातरमोषधीनां ध्रुवां भूमिं पृथिवीं धर्मणा धृताम। शिवां स्योनामनु चरेम विश्वहा॥" यह श्लोक अथर्ववेद के प्रसिद्ध भूमि सूक्त (काण्ड 12, सूक्त 1, मंत्र 17) से लिया गया है। इसमें धरती माता के प्रति गहरे आदर, पर्यावरण संरक्षण और वैश्विक कल्याण की कामना की गई है।
प्रधानमंत्री मोदी की इस पोस्ट में सुभाषितम का अर्थ लिखा गया है, "जिसमें सभी प्रकार की श्रेष्ठ वनस्पतियां और औषधियां पैदा होती हैं, वह पृथ्वी माता विस्तृत और स्थिर हो।

लंदन में भारतीय दूतावास के सामने प्रदर्शन, कश्मीर का राग अलापा

एजेंसी

लंदन : लंदन में भारतीय दूतावास के सामने बुधवार को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने की बरसी पर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारी इस अवसर पर कश्मीर का राग अलापने से भी नहीं चूके। इस बरसी को 'यौम-ए-इस्तेहाल कश्मीर' (कश्मीर शोषण दिवस) का नाम दिया। यह महत्वपूर्ण है कि भारत सरकार ने 5 अगस्त 2019 को राष्ट्रपति के आदेश पर अनुच्छेद 370 और 35ए के ज्यादातर प्रावधानों को निष्प्रभावी कर दिया था। इसके बाद से जम्मू-कश्मीर में पहले मुकाबले शांति है। पाकिस्तान के चैनल दुनिया न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने इस अवसर पर कश्मीर और पाकिस्तान के झंडे लहराए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पाकिस्तान कश्मीर को भारत से लेकर रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया गया लंदन स्थित भारतीय दूतावास पाकिस्तान विरोधी और कश्मीर-विरोधी गतिविधियों में शामिल है। प्रदर्शनकारियों ने कश्मीर में मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ध्यान देने की मांग की। प्रदर्शन में ब्रिटिश-कश्मीरी और पाकिस्तानी समुदाय के लोगों ने हिस्सा लिया। महत्वपूर्ण है कि 2019 के बाद हर साल 5 अगस्त को पाकिस्तान प्रायोजित ऐसे प्रदर्शन होते हैं।

सगी बहन मानते थे उमाशंकर, कभी नहीं दिया धोखा : मायावती

लखनऊ : उत्तर प्रदेश के बलिया जिले की रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीन बार के विधायक व बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के वरिष्ठ नेता उमाशंकर सिंह का बुधवार शाम दिल्ली में निधन हो गया। अंतिम दर्शन के लिए गुरुवार को उनका पार्थिव शरीर लखनऊ के गोमतीनगर स्थित आवास पर रखा गया। पार्टी की प्रमुख मायावती ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। इस दौरान मायावती बहुत भावुक दिखी। मायावती के अलावा विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना समेत तमाम राजनेताओं ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। इस दौरान मायावती ने कहा कि उमाशंकर सिंह जब से बसपा से जुड़े, उन्होंने पूरी ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाई है। उन्होंने कभी पार्टी को धोखा नहीं दिया। बसपा में रहते हुए उन्होंने अपने क्षेत्र की जनता का ध्यान रखा है। उनका लंबी बीमारी की कारण निधन हुआ है, यह समाचार सुनकर काफी आहत हूं। इस दुख की घड़ी में मैं उनके पूरे परिवार और रिश्तेदार के साथ हूं। खासतौर से वो तो जिंदा नहीं है, लेकिन मेरा उमाशंकर सिंह के परिवार से यही कहना है कि आप जब तक जिंदा रहे है बसपा के लिए ईमानदारी का परिचय दिया है। मायावती ने कहा कि उमाशंकर सिंह बिजनैसमैन थे। अक्सर आप लोगों ने देखा कि बिजनैसमैन लोग जब सत्ता परिवर्तन होता है तो पार्टियां बदल लेते हैं। लेकिन उन्होंने पार्टी को धोखा नहीं दिया। वो मुझे अपनी सगी बहन की तरह मानते थे। इस महीने में रक्षाबंधन भी है। रक्षाबंधन के त्योहार पर चाहे मैं लखनऊ रही हो या दिल्ली में रहूं, लेकिन उन्होंने मुझसे हमेशा राखी बंधवाई है। बसपा प्रमुख ने कहा कि भाई तो कई बने लेकिन सब धोखा देकर चले गये, पर इन्होंने (उमाशंकर सिंह) कभी धोखा नहीं दिया। मैं कहना चाहती हूं उनका परिवार मेरा पूरा सम्मान करते हैं। इस दुख की घड़ी में मैं पूरे परिवार के साथ हूं। उनका एक बेटा है, मैं यह आश्वासन देना चाहती हूं यदि परिवार चाहे तो उनके बेटे को राजनीति में बढ़वा देना चाहूंगी। हालांकि यह मौका ऐसा कहना का नहीं है, लेकिन वो राजनीति में काफी सक्रिय रहे हैं। परिवार चाहेगा तो मैं उनके स्थान पर उनके बेटे को महत्व दूंगी। मायावती ने कहा कि उमाशंकर ने अपने क्षेत्र की जनता का बहुत ध्यान दिया है, अगर जनता चाहेगी तो बेटे को सम्मान मिलेगा। बसपा प्रमुख ने कहा कि उमाशंकर के जाने से हमारी पार्टी को बहुत क्षति हुई है। बसपा नेता सतीश मिश्रा ने कहा कि उमाशंकर हमारे छोटे भाई की तरह थे। वो मुझे काफी सम्मान देते थे। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि उमाशंकर के न रहने से उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुत अंतर आया है। उनका सबके साथ सौहार्दपूर्ण, मित्रवत और स्नेहमय संबंध था। पूरे विधानसभा में वे जिस तर्क के साथ प्रभावी ढंग से अपनी बात कहते थे, उनकी कही हुई बात की चर्चा होती थी। उनके द्वारा विधानसभा में जब कोई बात कही जाती थी तो उसके बारे में पूरे विधानसभा में संज्ञान लिया जाता था। जनता के बीच में उनका जमीनी जुड़ाव था। उनके जाने से मैं स्वयं बहुत दूखी हूं। भगवान से प्रार्थना है कि वे उन्हें अपने श्री चरणों स्थान दें।

स्कूल जाते समय जर्जर दीवार गिरने से मासूम भाई-बहन की मौत,तीन घायल

एजेंसी

बाराबंकी : उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में पदरियाबाद कोतवाली क्षेत्र के गुलचप्पा कलां (अलियाबाद) गांव में गुरुवार सुबह स्कूल जाने की खुशी कुछ ही पलों में मातम में बदल गई। हाथों में बस्ता लिए पांच मासूम बच्चे गांव की गली से गुजर रहे थे कि तभी वर्षों पुरानी जर्जर ईंट की दीवार अचानक भरभराकर उनके ऊपर आ गिरी। हादसे में एक ही परिवार के भाई-बहन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। हादसे में गांव निवासी मुस्लिम के सात वर्षीय पुत्र हुजैफा और 14 वर्षीय पुत्री हाजरा बानो की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सलमान का आठ वर्षीय पुत्र हस्सान, चार वर्षीय पुत्री हानिया तथा अब्दुल मन्नान का 14 वर्षीय पुत्र मोहम्मद अदनान गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने बिना देर किए मलबा हटाया और सभी बच्चों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने हुजैफा और हाजरा बानो को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य तीन बच्चों का इलाज जारी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दीवार गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। कुछ ही देर में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। ग्रामीणों का कहना है कि जिस दीवार के गिरने से यह हादसा हुआ, वह लंबे समय से जर्जर थी। लगातार बारिश के कारण उसकी हालत और खराब हो गई थी। कई बार दीवार के मालिक से इसे गिराने या मरम्मत कराने की मांग की गई, लेकिन किसी ने गंभीरता नहीं दिखाई। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते कार्रवाई हो जाती तो दो मासूमों की जान बचाई जा सकती थी।

क्षेत्राधिकारी सौरभ श्रीवास्तव ने बताया ने दोनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रशासन ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में हर किसी की जुबान पर यही सवाल है कि आखिर जर्जर दीवार को समय रहते क्यों नहीं हटाया गया।

बाढ़ को लेकर औरैया पुलिस अलर्ट, तटीय क्षेत्रों के लोगों को एडवाइजरी जारी

एजेंसी

औरैया : उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में चंबल, यमुना, सिंध, क्वारी और पहुंज नदियों का संगम होने के कारण हर वर्ष बाढ़ का खतरा बना रहता है। इन नदियों के जलस्तर में वृद्धि को देखते हुए अजीतमल तहसील के तटीय (खादर) क्षेत्रों में संभावित बाढ़ की आशंका के मद्देनजर औरैया पुलिस ने जनसुरक्षा एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने तथा प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। पुलिस ने मीडिया सेल के अनुसार, जलस्तर बढ़ने पर लोग बिना देरी किए सुरक्षित एवं ऊंचे स्थानों या राहत शिविरों में पहुंच जाएं। टॉर्च, सूखा राशन, आवश्यक दवाइयां और जरूरी दस्तावेज पहले से सुरक्षित बैग में तैयार रखें। यदि घर में पानी प्रवेश करने लगे तो सबसे पहले बिजली का मेन स्विच बंद कर दें तथा मवेशियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएं। एडवाइजरी में लोगों को चेतावनी दी गई है कि तेज बहाव वाली नदी, जलमग्न पुलिया या डूबे हुए रास्तों को पार करने का प्रयास न करें। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सेल्फी लेने या सोशल मीडिया के लिए रील बनाने जैसी गतिविधियों से बचें। पानी में डूबे बिजली के तारों, खंभों और ट्रांसफार्मरों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। साथ ही बाढ़ से संबंधित किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और न ही उसे फैलाएं।

आपातकालीन स्थिति में सहायता के लिए औरैया पुलिस ने 24 घंटे संचालित जनपदीय बाढ़ बचाव हेल्पलाइन 9454417385 एवं 7820010369 जारी किए हैं। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी आपदा या आपात स्थिति में तत्काल इन नंबरों पर संपर्क करें और प्रशासन का सहयोग करें।

शराब दुकानों में गड़बड़ी, दो आबकारी उपनिरीक्षक निलंबित

रायपुर : छत्तीसगढ़ में शराब दुकानों में अधिक कीमत पर बिक्री और अन्य गंभीर अनियमितताओं के मामलों में आबकारी विभाग ने एक ही दिन तीन बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने बलौदाबाजार-भाटापारा और बालोद के दो आबकारी उपनिरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है, जबकि 53 पेटी अवैध शराब प्रकरण में बालोद की सहायक जिला आबकारी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा शासन को भेजी गई है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नियमों की अनदेखी करने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। आबकारी आयुक्त द्वारा आज गुरुवार को दी गई जानकारी के अनुसार बलौदाबाजार-भाटापारा जिले की रोहासी देशी कम्पोजिट शराब दुकान में अधिक कीमत पर शराब बिक्री की शिकायत पर मूल शिकायत के अनुरूप कार्रवाई नहीं करने तथा दुकान के सीसीटीवी सिस्टम को अद्यतन नहीं रखने के कारण आबकारी उपनिरीक्षक पी. माधव राव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं, धमतरी जिले के अजुर्नी थाना क्षेत्र में 25 जुलाई को जब्त 53 पेटी अवैध देशी एवं विदेशी शराब की जांच में होलोग्राम के आधार पर शराब का स्रोत बालोद जिले की अरकार देशी कम्पोजिट शराब दुकान पाया गया। जांच में निर्धारित सीमा से अधिक मात्रा में थोक बिक्री सामने आने पर संबंधित वृत्त प्रभारी आबकारी उपनिरीक्षक आशा राम शाक्य को भी निलंबित कर दिया गया है। इसी प्रकरण में अरकार शराब दुकान की प्रभारी एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी निलोफर जैन के शिथिल नियंत्रण और कर्तव्य के प्रति लापरवाही को गंभीर मानते हुए आबकारी आयुक्त ने उनके विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग को भेज दी है। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि शराब दुकानों के संचालन में किसी भी प्रकार की अनियमितता, अधिक मूल्य पर बिक्री अथवा नियमों के उल्लंघन को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा भविष्य में भी ऐसे मामलों में कठोर कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

सात साल से फरार उद्घोषित अपराधी गिरफ्तार, चार मामलों में था वांछित

शिमला : शिमला पुलिस ने करीब सात साल से फरार चल रहे एक उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी को रोहड़ू उपमंडल की पीओ सेल ने उसके पैतृक गांव चिड़गांव से गिरफ्तार किया। आरोपी चार अलग-अलग मामलों में अदालत की ओर से उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था और लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहा था। पुलिस के मुताबिक विशेष अभियान के तहत 5 अगस्त को पीओ सेल की टीम ने गुलाब सिंह, पुत्र स्वर्गीय केहर सिंह, निवासी चिड़गांव, जिला शिमला को विधिसम्मत प्रक्रिया पूरी करने के बाद गिरफ्तार किया। आरोपी को अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (एसीजेएम), रोहड़ू की अदालत ने परक्राम्य लिखत अधिनियम (नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट्स एक्ट) की धारा 138 के चार अलग-अलग मामलों में उद्घोषित अपराधी घोषित किया था। ये सभी मामले करीब 8.50 लाख रुपये के लेन-देन से जुड़े बताए गए हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आरोपी को एसीजेएम, रोहड़ू की अदालत में पेश किया। अदालत ने उसे 12 अगस्त 2026 तक न्यायिक हिरासत में जिला कारागार कैथू भेजने के आदेश दिए हैं। एसएसपी शिमला गौरव सिंह का कहना है कि उद्घोषित अपराधियों, फरार आरोपियों और अदालत से बच रहे लोगों के खिलाफ विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि ऐसे सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कानून के अनुसार अदालत के सामने पेश किया जाएगा।

प्रयागराज के शाहगंज में हुए ट्रिपल मर्डर का खुलासा, मुठभेड़ में आरोपित गिरफ्तार

प्रयागराज : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में शाहगंज थाना क्षेत्र में हुई तीन दिव्यांगो की हत्या का खुलासा करते हुए गुरुवार को मुठभेड़ में एक आरोपित को गिरफ्तार किया गया। यह गिरफ्तारी शाहगंज और एयरपोर्ट थाना और एसओजी नगर की संयुक्त कार्रवाई में हुई। पुलिस टीम ने आरोपित के कब्जे से तमंचा, कारतूस और चार मोबाइल फोन बरामद किया है। यह जानकारी पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने दी। उन्होंने बताया कि बताया कि 4 अगस्त को शाहगंज थाना क्षेत्र के लीडर रोड स्थित गढ़ीकला मोहल्ले में किराये के एक कमरे से दो महिलाओं और एक पुरुष के शव बरामद हुए थे। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारी और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि तीनों मृतक मूक-बधिर थे और आसपास कूड़ा बीनकर अपना जीवनयापन करते थे। इस संबंध में थाना शाहगंज में हत्या का मुकदमा दर्ज कर घटना के खुलासे के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया था। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि घटना में शामिल आरोपी थाना एयरपोर्ट क्षेत्र में देखा गया है। इसके बाद शाहगंज थाना पुलिस, एयरपोर्ट थाना पुलिस और एसओजी नगर की संयुक्त टीम ने घेराबंदी की। भगवतपुर रेलवे अंडरपास के पास पुलिस ने संदिग्ध को रोकने का प्रयास किया, लेकिन उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। डीसीपी नगर के अनुसार पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी।

हिमाचल में एक हफ्ते तक भारी बारिश का अलर्ट, किन्नौर में भूस्खलन से एनएच-5 बंद

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में मानसून की सक्रियता से बारिश का दौर जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने एक हफ्ते तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार 6 और 9 अगस्त को कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने की आशंका है, जबकि 7, 8, 10, 11 और 12 अगस्त को भी अलग-अलग इलाकों में भारी बारिश की संभावना बनी रहेगी। लगातार बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं और लोगों को इनके आसपास नहीं जाने की सलाह दी गई है। गुरुवार सुबह शिमला सहित प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बादल छाए रहे, जबकि कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहा। बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश के कई हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। सबसे अधिक 81.5 मिलीमीटर वर्षा धर्मशाला में हुई। इसके अलावा मनाली में 63 मिलीमीटर, नैना देवी में 62.8 मिलीमीटर, नाहन में 41.2 मिलीमीटर, कसोल में 32 मिलीमीटर, सराहन में 30.1 मिलीमीटर और जोगिंदरनगर में 22 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक मानसून की सक्रियता बनी रहेगी। इसके पीछे सक्रिय मानसूनी ट्रफ, पश्चिमी विक्षोभ और उत्तर प्रदेश के ऊपर बने चक्रवाती परिसंचरण का संयुक्त प्रभाव जिम्मेदार है।

बारिश का असर जनजीवन पर भी दिखाई देने लगा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में 112 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा 189 बिजली ट्रांसफार्मर और 61 पेयजल योजनाएं प्रभावित हैं, जिससे कई क्षेत्रों में लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने संबंधित विभागों को बहाली का काम तेज करने के निर्देश दिए हैं, जबकि संवेदनशील इलाकों पर लगातार नजर रखी जा रही है। उधर, जनजातीय जिला किन्नौर में बीती रात से लगातार बारिश हो रही है। इसके चलते निगुलसारी और आसपास के क्षेत्र में चट्टानें गिरने से राष्ट्रीय राजमार्ग-5 अवरुद्ध हो गया। प्रशासन ने वाहनों की आवाजाही को छोटा-लंबा सोल्डिंग मार्ग से डायवर्ट किया है। मार्ग खोलने के लिए मशीनें लगाई गई हैं, लेकिन लगातार पत्थर गिरने से काम प्रभावित हो रहा है। सिरमौर जिले के पांवटा साहिब उपमंडल में एहतियात के तौर पर शिक्षण संस्थान गुरुवार को भी बंद रखे गए हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा की स्थायी समितियों का गठन, विभिन्न विधायकों को सौंपी गई अहम जिम्मेदारियां

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा की वर्ष 2026-27 के लिए विभिन्न स्थायी (स्टैंडिंग) समितियों का गठन कर दिया गया है। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना के तहत वित्तीय, विधायी, प्रशासनिक और सदन के संचालन से संबंधित विभिन्न समितियों के अध्यक्षों एवं सदस्यों की नियुक्ति की गई है। जारी सूची के अनुसार, सार्वजनिक लेखा समिति (पब्लिक अकाउंट्स कमेटी) का अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल को बनाया गया है। पेपर्स लेड ऑन द टेबल समिति की जिम्मेदारी भांगड़ से आईएसएफ विधायक नौशाद सिद्दीकी को सौंपी गई है। जबकि विशेषाधिकार समिति (कमेटी ऑफ प्रिविलेजेज) के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार होंगे। अधीनस्थ विधान समिति (सबऑर्डिनेट लेजिस्लेशन कमेटी) की कमान रथीन घोष को दी गई है। वहीं सदस्यों के अधिकार एवं सुविधाएं समिति की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष रथिंद्र बोस करेंगे। इस समिति में उपाध्यक्ष, संसदीय कार्य मंत्री डॉ. शंकर घोष, मुख्य सरकारी सचेतक अमलान भादुड़ी सहित सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई विधायकों को सदस्य बनाया गया है। विधानसभा पुस्तकालय समिति का नेतृत्व पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं तृणमूल विधायक बिमान बनर्जी को सौंपा गया है। विधायक क्षेत्र उन्नयन प्रकल्प समिति की अध्यक्षता शीतल कापाट करेंगे। इसके अलावा समिति प्रणाली में सुधार एवं कार्यप्रणाली संबंधी समिति का अध्यक्ष समीर कुमार पांजा को बनाया गया है। धिसूचना के अनुसार हाउस कमेटी की अध्यक्षता भूदराय टुडू करेंगे। नियम समिति (रूल्स कमेटी) की कमान विधानसभा अध्यक्ष रथिंद्र बोस के पास रहेगी। सरकारी आश्वासन समिति के अध्यक्ष रितेश तिवारी तथा याचिका समिति के अध्यक्ष चंद्रनाथ सिन्हा बनाए गए हैं। इसके अलावा स्थानीय निधि लेखा समिति (लोकल फंड अकाउंट्स कमेटी) की अध्यक्षता अमरनाथ शाखा को तथा प्राक्कलन समिति (एस्टिमेट्स कमेटी) की अध्यक्षता लक्ष्मण चंद्र घोरुई को सौंपी गई है। विभिन्न समितियों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के विधायकों को शामिल कर संतुलित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है। विधानसभा की ये स्थायी समितियां सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, वित्तीय व्यय की समीक्षा, विधायी मामलों की जांच, प्रशासनिक कार्यों की निगरानी तथा सदन के सुचारु संचालन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श कर अपनी रिपोर्ट और सिफारिशें प्रस्तुत करेंगी। इन समितियों का कार्यकाल वर्ष 2026-27 तक प्रभावी रहेगा।

सराफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी ने भी लगाई छलांग

एजेंसी

नई दिल्ली : सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। सोना और चांदी दोनों चमकीली धातुओं के भाव आज चढ़े हुए हैं। भाव बढ़ने के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में सोना आज 1,620 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,770 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह हाजिर चांदी ने भी आज 5,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक जोरदार छलांग लगाई है। कीमत में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,33,610 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी होने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सराफा बाजार में आज 2,40,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,45,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,45,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,45,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,33,660 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,45,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,45,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,45,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,45,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,33,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,45,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,33,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सराफा बाजार में भी आज सोना शुरूआती कारोबार के दौरान बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,45,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सराफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,33,610 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

झारखंड विधान सभा में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव, मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग वंदना दादेल, डीजीपी तदाशा मिश्रा, प्रभारी सचिव, झारखंड विधान सभा रंजीत कुमार।

लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची के प्रारूप का हुआ प्रकाशन, अधिकारियों ने किया निरीक्षण

संवाददाता

लोहरदगा : भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार संचालित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को पूरे राज्य के साथ-साथ 72-लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र में भी मतदाता सूची के प्रारूप (ड्राफ्ट) का प्रकाशन किया गया।

इस क्रम में प्रातः 11:00 बजे लोहरदगा विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर मतदाता सूची की प्रारूप प्रतियां प्रदर्शित की गईं। साथ ही एएसडीडी सूची भी सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की गई, ताकि मतदाता अपने नाम एवं अपने परिवार के सदस्यों के नामों का सत्यापन कर सकें।

उल्लेखनीय है कि मतदाता सूची की प्रारूप प्रतियां निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के कार्यालयों आदि के सूचना पट्ट पर भी प्रदर्शित की गईं, जहां बड़ी संख्या में मतदाताओं ने पहुंचकर सूची में अपने एवं अपने परिजनों के नामों

का अवलोकन किया।

उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना के निर्देश पर जिले के पदाधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर प्रारूप प्रकाशन की व्यवस्था का निरीक्षण किया। इसी क्रम में जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार ने भंडरा प्रखंड स्थित सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी के कार्यालय तथा लोहरदगा शहरी क्षेत्र के तीन मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर प्रारूप सूची के प्रदर्शन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी अमित कुमार ने भी विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर प्रारूप प्रकाशन की प्रक्रिया का अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत सभी मतदान केंद्रों पर प्रारूप मतदाता सूची का विधिवत प्रकाशन करवाया।

उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना ने बताया कि मतदाता सूची के प्रारूप (ड्राफ्ट) एवं एएसडीडी सूची की प्रतियां संबंधित सभी बीएलओ के पास भी उपलब्ध हैं। यदि कोई मतदाता अपने मतदान केंद्र तक नहीं जा सकता है तो वह अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर सूची में अपना एवं अपने परिवार के सदस्यों का नाम पता कर सकता है।

उन्होंने बताया कि मतदाता चाहें तो मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध संबंधित लिंक के माध्यम से भी प्रारूप मतदाता सूची एवं एएसडीडी सूची का अवलोकन कर सकते हैं। इसके लिए मतदाताओं को अपना जिला, विधानसभा क्षेत्र तथा ,पार्ट नंबर दर्ज करना होगा, जिसके बाद संबंधित जानकारी आसानी से उपलब्ध हो जाएगी।

उन्होंने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की कि वे प्रारूप मतदाता सूची में अपना एवं अपने परिवार के सदस्यों का नाम अवश्य जांच लें। यदि किसी प्रकार की त्रुटि, संशोधन, विलोपन अथवा नए नाम जोड़ने की आवश्यकता हो, तो निर्धारित अवधि के भीतर संबंधित प्रपत्र के माध्यम से दावा एवं आपत्ति प्रस्तुत करें, ताकि अंतिम मतदाता सूची अधिक से अधिक शुद्ध एवं अद्यतन बनाई जा सके।

अबू बकर सिद्दीकी लोकप्रिय कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाते हैं

बिनय मिश्रा

भारतीय प्रशासनिक सेवा 2003 बैच के आईएएस अधिकारी की बात चलने पर अबू बकर सिद्दीकी का नाम स्वत जुबा पर चला आता है इसकी प्रमुख वजह यह है कि श्री सिद्ध की वर्तमान समय में वन विभाग एवं कृषि विभाग के सचिव हैं तथा उनके पदा स्थापना काल से लेकर अब तक इन दोनों विभाग को बेहतर विकास गति भी मिली है जिसके फल स्वरुप यह दोनों विभाग अपने बेहतर और उत्कृष्ट कार्यो से झारखंड का नाम गौरवान्वित किया है और निश्चित रूप से इसका श्रेय वर्तमान सचिव अबू बकर सिद्दीकी को जाता है श्री सिद्धकी के द्वारा इन दोनों विभाग को भरपूर विकास गति दी गयी है और इसके सार्थक परिणाम भी सामने आए हैं हाल ही में कृषि मेला ने झारखंड ने इतिहास रचने का भी कार्य किया अबू बकर सिद्दीकी इससे पूर्व सिमडेगा गोड्डा और पश्चिम सिंहभूम चाईबासामें उपायुक्त के रूप में पदस्थापित रहे इन जिलों में उनके द्वारा किए गए बेहतर और उत्कृष्ट कार्यो का ही यह परिणाम है कि आज भी वह इन जिलों में लोकप्रिय उपायुक्त के रूप में पहचाने जाते हैं तथा कई महत्वपूर्ण विभाग के सचिव भी रहे हैं और अपने पदस्थापना कल में विभाग को भरपूर विकास गति देने का भी कार्य किया ऐसे लिए अधिकारी से निश्चित तौर पर राज्य और विभाग दोनों गौरवान्वित होते हैंहैं ऐसे लोकप्रिय कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले आईएएस अधिकारी पर हमें गर्व और नाज भी है।

पुलिस-अपराधी मुठभेड़ में आरोपी सुमित घायल

हथियार छीनकर भागने की कोशिश पड़ी भारी

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : शहर के बीसफुटा से पूर्वंडीहा रोड स्थित रेलवे लाइन के समीप गुरुवार सुबह पुलिस और एक अपराधी के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में कुख्यात अपराधी सुमित गोली लगने से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचकर पूरे मामले की जांच में जुट गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल अपराधी सुमित हाल ही में शहर के अग्रसेन भवन के समीप हुए गोलीकांड का आरोपी बताया जा रहा है। पुलिस उसे लेकर कार्रवाई कर रही थी, तभी उसने कथित तौर पर पुलिसकर्मी का हथियार छीन लिया और फायरिंग करते हुए भागने का प्रयास किया। पुलिस ने आत्मरक्षा और आरोपी को पकड़ने के लिए जवाबी कार्रवाई की, जिसमें सुमित के पैर में गोली लगी और वह घायल होकर गिर पड़ा। इसके बाद पुलिस ने उसे अपने कब्जे में लेकर इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया।

घटना के बाद पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है। मौके पर पहुंचे पुलिस के वरीय अधिकारी घटनास्थल का निरीक्षण कर रहे हैं। पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है तथा आरोपी के आपराधिक रिकॉर्ड और घटना के क्रम की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।पुलिस की ओर से विस्तृत आधिकारिक बयान का इंतजार है। शुरूआती जानकारी के आधार पर आगे की कार्रवाई जारी है।

पोर्टर खोली सड़क की मरम्मत कराने की मांग

संवाददाता

चक्रधरपुर : भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष पवन शंकर पाण्डेय ने दक्षिण पूर्व रेलवे, चक्रधरपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) को ज्ञापन सौंपकर जन्माष्टमी पूजा से पूर्व पोर्टर खोली स्थित जर्जर सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की है।

सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि आगामी माह जन्माष्टमी पूजा के अवसर पर पोर्टर खोली स्थित रेल क्षेत्र में प्रतिवर्ष भव्य मेले का आयोजन होता है, जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु भगवान के दर्शन और मेले का आनंद लेने पहुंचते हैं। लेकिन मेले तक जाने वाली सड़क की स्थिति अत्यंत जर्जर और दयनीय बनी हुई है, जिससे श्रद्धालुओं एवं आम लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

पवन शंकर पाण्डेय ने कहा कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत

नहीं कराई गई और वर्षा के कारण स्थिति और खराब हुई तो दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाएगी। इसलिए जनहित एवं श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए रेलवे प्रशासन को अविलंब सड़क की मरम्मत करानी चाहिए। उन्होंने डीआरएम से आग्रह किया कि जन्माष्टमी महोत्सव शुरू होने से पहले पोर्टर खोली मार्ग की मरम्मत का कार्य पूरा कराया जाए, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित एवं सुगमता से पूजा-अर्चना और मेले में शामिल हो सकें। साथ ही उन्होंने इस संबंध में शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई की अपेक्षा व्यक्त की।

गुड़ाबांदा में मलेरिया से आठ साल के मासूम की मौत, बहन भी गंभीर

संवाददाता

जमशेदपुर : गुड़ाबांदा प्रखंड के ज्वालकांटा गांव निवासी धानो मार्डी के पुत्र सोमाय मार्डी (8 वर्ष) की मौत बुधवार को मलेरिया से हो गई, जबकि इसकी 10 वर्षीय बहन डुमनी मार्डी का गंभीर अवस्था में घाटशिला अनुमंडल अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना को लेकर सोमाय के पिता धानो मार्डी और मां पागो ने घाटशिला अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक डॉ. रामचंद्र सोरेन को बताया कि 31 जुलाई को सोमाय को बुखार, सिर दर्द की शिकायत पर उपचार के लिए श्यामसुंदरपुर के पिताजुड़ी चौक के निकट एक ग्रामीण डॉक्टर के पास उपचार कराया था। वहां ब्लड टेस्ट में सोमाय को मलेरिया होने की बात बताकर टेबलेट दवा दी थी। इसके बाद बुधवार सुबह सोमाय की स्थिति काफी गंभीर लगी तो उसे उपचार के लिए टेम्पो से धालभूमगढ़ तक लाने के बाद फिर दूसरे टेम्पो से घाटशिला अनुमंडल अस्पताल लाया गया। तबतक उसकी सांसें उखड़ चुकी थीं। जबकि उसकी बड़ी बहन डुमनी का इलाज शुरू किया गया। डुमनी को भी ब्लड टेस्ट में मलेरिया पीड़ित पाया गया है। बालक के माता-पिता अस्पताल में शव के समक्ष खड़े होकर इस बात पर कोस रहे थे कि काश वे किसी अस्पताल के डॉक्टर से बेटे का इलाज कराए होते तो यह स्थिति आज नहीं होती। घाटशिला अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सक डॉ. रामचन्द्र सोरेन ने बताया कि सोमाय की मौत अस्पताल पहुंचने से पहले रास्ते में ही हो गई थी। जबकि उसकी बहन का इलाज गंभीर अवस्था में चल रहा है। दूसरी ओर, एक बार फिर यह सवाल उठ रहा है कि झोला छाप चिकित्सक के चक्कर में पड़कर ग्रामीण कब तक जान गंवाते रहेंगे, जबकि सरकारी अस्पताल में मलेरिया के इलाज की सम्पूर्ण दवा उपलब्ध है। इस संबंध में सिविल सर्जन डॉ. साहिर पाल ने कहा कि फिलहाल उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है।

उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने किया ईवीएम-वेयरहाउस का किया निरीक्षण

संवाददाता

लोहरदगा : उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी संदीप कुमार मीना ने आज ईवीएम-वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने ईवीएम-वेयरहाउस का भौतिक अवलोकन करते हुए सुरक्षा संबंधी विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्य स्थिति, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता, डबल लॉक सिस्टम तथा सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जानकारी प्राप्त की। साथ ही वेयरहाउस में प्रवेश एवं निकासी पंजी का भी निरीक्षण किया। साथ ही, उप निर्वाचन पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए।

आज इस अवसर पर पीडी आइटीडीए-सह-वरीय पदाधिकारी (निर्वाचन) सुषमा नीलम सोरेंग, उप निर्वाचन पदाधिकारी संजय कुमार, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि व निर्वाचन कार्यालय के कर्मी उपस्थित थे।